सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

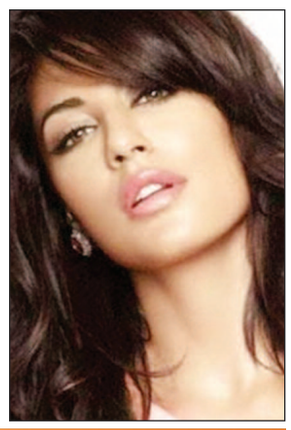

सीएम सरमा ने किया आगाह कहा- असम को बांग्लादेश में.... पेज: 7

सलमान खान के साथ काम करने पर बोलीं चित्रांगदा सिंह पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 260 | सोमवार 29 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद जब्त, दो लोग गिरफ्तार

मणिपुर एजेंसी: मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारियां और बरामदगी शनिवार को की गईं। पुलिस के बयान के अनुसार, 49 वर्षीय रेबांता क्षेत्रीमायुम को पंगई लैरम मापन इलाके में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से नौ मिमी पिस्तौल और 18 कारतूस बरामद किए गए। बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने हाओतान थांगजाम खुनौ इलाके में 30 वर्षीय अरिबाम गुनिंद्रो शर्मा को भी उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से विभिन्न कैलिबर के 13 कारतूस और 12-बोर कारतूस के तीन खोल बरामद किए गए।

ऑपरेशन सिंदूर से लेकर खेल और विज्ञान तक, पीएम मोदी ने गिनाई 2025 की उपलब्धियां

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में 2025 की कई तस्वीरें, कई चर्चाएं और कई उपलब्धियों के बारे में बात की, जिन्होंने पूरे देश को एक साथ जोड़ दिया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मन में पूरे एक साल की यादें घूम रही हैं। 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि 2025 में भारत ने सुरक्षा, खेल, विज्ञान और वैश्विक मंचों पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा,

इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बना। दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किए। पीएम मोदी ने वंदे मातरम 150 अभियान में देशवासियों की भागीदारी और सुझाव साझा करने की प्रेरणा दी उन्होंने आगे कहा कि यही जज्बा तब भी देखने को मिला जब वंदे मातरम के 150 साल पूरे हुए। मैंने आग्रह किया था कि हैशटैग वंदे मातरम 150 के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। देशवासियों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने बताया कि 2025 में पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने आईसीसी ट्रॉफी और विश्व कप जीतकर गौरव बढ़ाया प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2025 खेल के लिहाज से भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी जीती और महिला

ध्वजारोहण के कार्यक्रम ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया

आस्था, संस्कृति और भारत की विरासत की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरूआत में प्रयागराज महाकुंभ ने पूरी दुनिया को चकित किया। साल के अंत में अयोध्या में राम मंदिर पर । स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग

क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया। एशिया कप में भी तिरंगा शान से लहराया। पैरा एथलीटों ने विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीतकर यह साबित किया कि कोई बाधा हौसलों को नहीं रोक सकती है। पीएम मोदी ने 2025 में भारत की अंतरिक्ष, विज्ञान प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और चीतों की बढ़ती संख्या का जिक्र किया उन्होंने याद किया कि विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई। पीएम मोदी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय बने, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सेंटर तक पहुंचे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीवों की सुरक्षा से जुड़े कई प्रयास भी 2025 की पहचान बने। भारत में चीतों की संख्या भी 30 से ज्यादा हो चुकी है। पीएम मोदी ने 2025 में प्रयागराज महाकुंभ, अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण और स्वदेशी उत्साह को याद किया आस्था, संस्कृति और भारत की विरासत की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरूआत में प्रयागराज महाकुंभ ने पूरी दुनिया को चकित किया। साल के अंत में अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण के कार्यक्रम ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग वही सामान खरीद रहे हैं, जिसमें किसी भारतीय का पसीना लगा हो और भारत की मिट्टी की सुगंध हो। पीएम मोदी ने कहा कि 2025 ने भारत को आत्मविश्वासी बनाया, और 2026 नई उम्मीदों एवं संकल्पों के लिए तैयार है

उत्तर प्रदेश का कानून-व्यवस्था मॉडल बना अन्य राज्यों के लिए मिसाल: सीएम योगी

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य का कानून-व्यवस्था मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है और इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा की भावना व कानून के शासन ने राज्य में निवेश तथा बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाया है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय पुलिस मंथन सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने उत्तर प्रदेश में यह दिखाया है कि (बेहतर कानून-व्यवस्था से) क्या हासिल किया जा सकता है। आज अन्य राज्यों में इसे एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहां का मीडिया भी कहता है कि यूपी मॉडल आ गया है। योगी आदित्यनाथ ने इस

बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित स्मार्ट पुलिसिंग को दिया और कहा कि सम्मेलन के दौरान तैयार की गई रूपरेखा एक महत्वपूर्ण नीतिगत दस्तावेज के रूप में काम करेगी। एक्सप्रेसवे, हवाई संपर्क और रेल नेटवर्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, अगर सुरक्षा नहीं होती, तो बुनियादी ढांचे का विकास इस गति से संभव नहीं होता। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा, दो दिन अधिकारियों ने अपने समय और विषय का अनुशासन बनाए रखा। इसे आप ऐसे भी कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस समय के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश को लेकर जनता की धारणा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा, आज लोग यह स्वीकार करते हैं कि प्रदेश में परिवर्तन हुआ है। सुरक्षा और कानून के शासन के कारण निवेश बढ़ा है। संवाद आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मानवीय बुद्धिमत्ता हमारा सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से नागरिकों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद और जुड़ाव बढ़ाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन पुलिस मंथन का उद्घाटन किया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य साइबर अपराध, मानव तस्करी और सोशल मीडिया से जुड़े उभरते मुद्दों जैसी प्रमुख पुलिसिंग चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सम्मेलन में 11 विषयगत सत्र आयोजित किए गए

दिग्विजय सिंह के विचारों का शशि थरूर ने किया समर्थन, कहा- संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को आयोजित पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान थरूर, पार्टी के इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय राजनीतिक हलचल मचा दी थी, जब उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक जमीनी कार्यकर्ता अपने नेताओं के चरणों में

बैठकर सीखता हुआ मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबले और उसे सत्ता से हटाने के लिए यह बेहद जरूरी है। सिंह की इस टिप्पणी के एक दिन बाद जब थरूर से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई संदेह नहीं है। जब उनसे दिग्विजय सिंह के बगल में बैठने और दोनों के बीच इस विषय पर चर्चा होने के बारे में पूछा गया तो थरूर ने कहा, हम आपस में बात करते रहते हैं, हम मित्र हैं और एक-दूसरे से बातचीत करते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, आज कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस है। यह पार्टी के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। यह वह दिन है जब हम अपने गौरवशाली इतिहास और देश के लिए पार्टी के योगदान को याद करते हैं। थरूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की 140वीं वर्षगांठ है। यह वही संगठन है जिसने ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने लिखा, वर्ष 1885 में अपने पहले अधिवेशन से लेकर आज तक, कांग्रेस पार्टी देश की लोकतांत्रिक यात्रा और राजनीतिक विकास की एक मजबूत आधारशिला बनी हुई है। आज इंदिरा भवन में यह अवसर गंभीरता और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया।

अदाणी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है: शरद पवार

पुणे एजेंसी: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। अदाणी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अदाणी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरूआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है। उन्होंने कहा, ह्यह्यअदाणी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं। अदाणी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ

नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है। उन्होंने कहा, बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है। इस अवसर पर राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार तथा पवार परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राकांपा (शप) के विधायक रोहित पवार और विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष युगेंद्र पवार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अदाणी इससे पहले पवार परिवार के गृह नगर बारामती में 2022 में गए थे जहां उन्होंने विज्ञान एवं नवोन्मेष गतिविधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पवार और अदाणी के बीच संबंध लगभग दो दशक पुराने हैं।

अरावली पहाड़ी परिभाषा विवाद: सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली एजेंसी: अरावली पहाड़ियों की परिको लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायामूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिको स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए खनन पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। समिति के अनुसार, अरावली पहाड़ी को उन चिह्नित अरावली जिलों में मौजूद किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे अधिक हो। वहीं, अरावली पर्वतमाला एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों का समूह होगा।

ओडिशा में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता बनर्जी पूछा- क्या बंगाली बोलना अपराध है?

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को ओडिशा के संबलपुर में मुर्शिदाबाद जिले के एक प्रवासी मजदूर की झड़प के बाद हुई हत्या की कड़ी निंदा की। यह घटना 24 दिसंबर को हुई थी। ममता बनर्जी ने एक पोस्ट में लिखा कि हम भाजपा शासित हर राज्य में बंगाली भाषी लोगों पर हो रहे क्रूर उत्पीड़न और अत्याचार की कड़ी निंदा करते हैं। हम उन उत्पीड़ित, भयभीत और प्रताड़ित प्रवासी बंगाली भाषी परिवारों के साथ खड़े हैं और उन्हें हर तरह की सहायता प्रदान करेंगे। मानवीय जीवन का कोई मोल नहीं है, लेकिन जिन मामलों में मृत्यु हुई है, हम आर्थिक मुआवजे के लिए प्रतिबद्ध हैं। ममता ने आगे कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में भाजपा शासित ओडिशा राज्य के जंगीपुर क्षेत्र के कुछ प्रवासी श्रमिकों पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार हुए हैं। यह बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण है कि 24 दिसंबर को संबलपुर में जंगीपुर के सूती क्षेत्र के एक युवा प्रवासी श्रमिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मुर्शिदाबाद के प्रवासी श्रमिक ओडिशा से भयभीत होकर घर लौट रहे हैं। इस हृदयविदारक घटना में हम पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं और मृतक के परिवार को हमारी आर्थिक सहायता भी जल्द से जल्द पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मजदूर की हत्या बंगाली बोलने के कारण की गई थी। उन्होंने आगे कहा, ह्लभाजपा शासित राज्यों में हुई इन सभी घटनाओं में, हम दोषियों की कड़ी निंदा करते हैं और पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का वादा करते हैं। बंगाली बोलना अपराध नहीं हो सकता। मृतक युवा ज्वेल राणा के मामले में, पश्चिम बंगाल पुलिस ने सूती पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मेरे राज्य से एक पुलिस दल जांच के लिए ओडिशा गया है। इससे पहले, 25 दिसंबर को संबलपुर के एसडीपीओ श्रीमंत बारीक ने कहा, कुछ मजदूर यहां रहते थे और काम भी करते थे। वे स्थानीय लोगों से मित्र बन गए थे

कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं: मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया। उन्होंने कहा, आज (रविवार को) स्थापना दिवस पर मैं उन लोगों से एक बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि कांग्रेस का अंत हो गया है'। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। उन्होंने कहा, कांग्रेस एकजुट करती है, (जबकि) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बांटती है। कांग्रेस ने धर्म को केवल आस्था तक ही सीमित रखा, लेकिन

कुछ लोगों ने धर्म को राजनीति में घसीट लिया। आज भाजपा सत्ता में है, लेकिन उसके पास सच्चाई नहीं है। इसलिए कभी आंकड़े छिपाए जाते हैं, कभी जनगणना रोक दी जाती है, कभी संविधान बदलने की बातें होती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग आज इतिहास पर भाषण दे रहे हैं, उनके पूर्वज इतिहास से भाग रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा, कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने यह भी कहा कि वर्ष 2025 महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का शताब्दी वर्ष, संविधान को

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।

अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 दादाभाई नौरोजी की 200वीं वर्षगांठ, सरोजिनी नायडू के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी और ह्यझंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत की शताब्दी है, जिसे पहली बार दिसंबर 1925 में कानपुर कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि भारत की स्वतंत्रता के समय के आसपास कई देशों ने स्वतंत्रता प्राप्त की, जिसमें से कुछ देश असफल रहे, जबकि अन्य में तानाशाही का बोलबाला रहा। उन्होंने दावा किया, केवल भारत ही ऐसा देश है, जहां लोकतंत्र जीवंत है। कांग्रेस के महान नेताओं की बदौलत ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की जनता के कल्याण, सशक्तीकरण और समावेशी विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, ह्लहम भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों में समान अवसर में दृढ़ विश्वास रखते हैं ह्व उन्होंने कांग्रेस स्थापना दिवस पर सभी भारतीयों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ह्लभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 साल का गौरवशाली इतिहास सत्य, अहिंसा, त्याग, संघर्ष और देशभक्ति की महान गाथा का वर्णन करता है। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, के.सी. वेणुगोपाल और अजय माकन सहित पार्टी के कई नेता उपस्थित थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और दिग्विजय सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जबकि प्रियंका गांधी वाद्रा मौजूद नहीं थीं।

संपादकीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लग सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। लेकिन जब स्वामित्व निजी कंपनी का होगा, तो पीड़ितों को मुआवजे का बोझ करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए? परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में यह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8, 900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकषर्ण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

अब नफरत नहीं, सिर्फ.मोहब्बत होगी

आज हमारा देश एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ सोच के फर्क ने दिलों के बीच दूरियाँ पैदा कर दी हैं। धर्म, जाति, भाषा और फिरकों के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि भारत की पहचान हमेशा से मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत रही है। नफरत से कभी कोई समाज या देश आगे नहीं बढ़ा। नफरत केवल तबाही लाती है—यह घर भी तोड़ती है और दिल भी। इसके विपरीत मोहब्बत वह ताकत है जो टूटे हुए दिलों को जोड़ती है और बिखरे हुए समाज को एक करती है। आज जरूरत इस बात की है कि हम नफरत के शोर को खामोश करें और मोहब्बत की आवाज को बुलंद करें। हमारी तंजीम का साफ पैगाम है कि हम हर उस सोच के खिलाफ खड़े हैं जो इंसान को इंसान से लड़ाती है। हम चाहते हैं कि मस्जिद, मंदिर, गुरुद्वारा और चर्च—सब जगह से एक ही पैगाम निकलेः अमन, इंसाफ और इंसानियत। बच्चे नफरत नहीं, मोहब्बत सीखें; नौजवान हाथों में पत्थर नहीं, बल्कि हाथों में हाथ डालकर आगे बढ़ें। आज हम यह ऐलान करते हैं कि अब नफरत खत्म होगी और मोहब्बत आम होगी। यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है—हर उस इंसान के लिए जो इस मिट्टी से प्यार करता है। अगर हमने आज मोहब्बत का रास्ता नहीं चुना, तो कल हमारे पास केवल अफसोस ही बचेगा। आइए, मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपनी जुबान, अपने कलम और अपने कर्म से सिर्फ.मोहब्बत को बढ़ावा देंगे। क्योंकि जब मोहब्बत जीतती है, तभी देश जीतता है। जमीयत उलमा-ए-मिल्लत उपाध्यक्षः मौलाना मोहम्मद बिन कासिम कासमी उझारी, अमरोहा

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उपलब्धियो और खामियों के बीच जूझता रहा 2025!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बीत रहा सन 2025 का साल भारत के लिए रक्षा, प्रौद्योगिकी, खेल और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उपलब्धियों भरा रहा।इस बीत रहे वर्ष में स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट लॉन्च हुए, अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण हुआ, महिला क्रिकेट ने वर्ल्ड कप जीता, और विकसित भारत बिल्डथॉन जैसी पहल हुई,साथ ही एआई में उभरती शक्ति के रूप में पहचान मिली, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी जैसे सेक्टर में वृद्धि देखी गई, लेकिन यह साल कुछ राजनीतिक उथल-पुथल और भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष का साक्षी भीरहा।सन 2025 में कई क्षेत्रों में निराशाएँ देखने को मिलीं, खासकर भारतीय फुटबॉल में प्रशासनिक संकट और खराब प्रदर्शन, भारतीय एयरलाइंस सेक्टर में अनिश्चितता, युवाओं के बीच नौकरी को लेकर चिंताएँ, और डिजिटल युग में निजता व सुरक्षा के मुद्दे, तथा कुछ चर्चित किताबों का उम्मीदों के मुताबिक न आना प्रमुख कहे जा सकते है।2025 भी हर साल की तरह राजनीतिक घटनाओं से भरा रहा, और देश भर में विवाद और बहस हुई. सबसे बड़ा वाकया तो इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर रहा, जब पूरा देश एकजुट नजर आया. क्या सत्ता पक्ष और क्या विपक्ष, अगर सीजफायर पर आरोप-प्रत्यारोप को दरकिनार कर दें तो जिस तरह सभी दलों के सांसदों की अलग-अलग टीम बनाकर दुनिया में भारत का पक्ष समझाने के लिए भेजी गई, उसने अनूठी मिसाल पेश की।जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा और वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की तरफ से रक्क्रयानी विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने को लेकर भी खासा विवाद हुआ. कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो रक्क्रके बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ, वोट चोर, गद्दी छोड़ मुहिम ही चलाने लगे हैं. 2025 में देश की न्यायपालिका भी कुछ घटनाओं और विवादों की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी।जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में सरहद पार पाकिस्तान में बने कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया और 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

6 और 7 फरवरी की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, और बाद में पाकिस्तान के साथ बातचीत के बाद सीजफायर लागू कर दिया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर के लिए बीच बचाव का दावा रहा है, जिसे भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है।

ट्रंप के दावे पर भारत में भी खूब राजनीति हुई।विपक्षी गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से सीजफायर के मामले में जवाब मांगता रहा, और चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी होती रही। विशेष सत्र तो नहीं बुलाया गया, लेकिन सत्र शुरू हुआ तो उसमें चर्चा जरूर हुई।बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी से भी महत्वपूर्ण रहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का महज 25 सीटों पर सिमट जाना. बिहार चुनाव के नतीजों ने 2014 के लोकसभा चुनाव की याद दिला दी. हालांकि, तेजस्वी यादव की आरजेडी को इतनी सीटें जरूर मिल गईं, जिससे नेता प्रतिपक्ष का पद मिल सके।2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन हो गया।आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में भी सत्ता पर काबिज हो गई, और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गईं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया।लेकिन, भारत का मामला थोड़ा अलग रहा। ऑपरेशन सिंदूर में सीजफायर कराने के उनके दावे को खारिज किए जाने के बाद 27 अगस्त से भारत पर ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। यह कहकर कि सजा है रूसी तेल आयात करने की, जिससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए पैसा मिल रहा है। ट्रंप टैरिफ के बाद विपक्ष ने मोदी-ट्रंप दोस्ती को मुद्दा बनाकर बीजेपी सरकार की विदेश नीति पर हमला किया।चाहे इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ी अव्यवस्था हो, वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ता गुस्सा हो, भाजपा शासित राज्यों में बढ़ता भ्रष्टाचार हो या गिरता रुपया, मोदी सरकार अपनी ही अक्षमता में फंसी दिख रही है और रोजमर्रा के शासन की चुनौतियों से निपटने में जूझ रही है।अर्थव्यवस्था की लगातार सुस्ती भी मोदी के सपने के टूटने की एक बड़ी वजह है। निजी निवेश में काफी गिरावट आई है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में मोदी सरकार के विकास आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए हैं।भारतीय देश छोड़कर जा रहे हैं।पिछले पांच वर्षों में करीब 10 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है।पहलगाम और दिल्ली के लाल किले में हुए आतंकी हमलों ने गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे को गलत साबित कर दिया कि सीमा पार आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है।पहलगाम और दिल्ली में सुरक्षा की गंभीर चूक, खासकर यह तथ्य कि विस्फोटकों से भरी एक कार राष्ट्रीय राजधानी तक आसानी से पहुंच गई, ने चरमपंथ और उग्रवाद पर सख्ती से कार्रवाई करने वाली तथाकथित मजबूत सरकार की छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

तनवीर जाफ़री

'क्रिसमस' प्रत्येक वर्ष की भांति गत 25 दिसंबर को भी पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुबई की मशहूर एयरलाइन एमिरेट्स ने एक अनोखा वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके बड़े विमान एयरबस ए 380 को सांता क्लॉज की जादुई स्लेज में बदल दिया गया है। इस विमान को 'स्लेज 380' का नाम दिया गया है। इस वीडियो में ए380 को रुडॉल्फ रेनडियर की तरह लाल नाक और बड़े सींग लगाए गए हैं, और उपहारों से भरी एक विशाल स्लेज विमान से जुड़ी दिखती है। विमान रनवे पर दौड़ता है और आसमान में उड़ान भरता है, जैसे सांता दुनिया भर में गिफ़्ट बांटने जा रहा हो। एमिरेट्स ने इस सीजन में यात्रियों को खास तोहफे भी दिए, जिसमें फेस्टिव ड्रिंक्स, थीम्ड मिठाइयां, विंटर-स्टाइल लाउंज और लिमिटेड एडिशन क्रिसमस गिफ़्ट शामिल हैं। वैसे भी चूँकि क्रिसमस मनाने के साथ ही नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं इसलिये भी दुनिया के सभी देश व सभी धर्मों व वर्गों के लोग भी क्रिसमस मनाने में अपनी दिलचस्पी दिखाते हैं।

भारत में भी लगभग 2.8 करोड़ ईसाई रहते हैं जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 2.3% है। ईसाई समुदाय भारत में तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है। लिहाजा यहाँ भी ईसाई समुदाय क्रिसमस, गुड फ़्राइडे व नव वर्ष जैसे अपने सभी त्यौहार सदियों से मनाते आ रहे हैं। वैसे भी ब्रिटिशकाल में भारत में अंग्रेजों ने जहां विकास सम्बन्धी तमाम इबारतें लिखीं वहीँ उनके शासन में देश भर में अनेक बड़े व ऐतिहासिक चर्च, स्कूल व अस्पताल भी निर्मित किये गये। आज भी क्रिश्चियन मिशनरी देश की शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रही है। इन सब वास्तविकताओं को दरकिनार कर देश का एक दक्षिणपंथी वर्ग ऐसा है जिसके संस्कारों में ही धर्म विशेष के लोगों से नफरत करना व उनके धार्मिक रीति रिवाजों व परंपराओं का विरोध करना शामिल है। नकारात्मकता की सोच से भरे इसी विचारधारा के लोग विगत कई वर्षों से क्रिसमस त्यौहार मनाये जाने का विरोध करते आ रहे हैं। जबकि 'सर्व धर्म समभाव ' जैसे गांधीवादी विचारों का अनुसरण करने वाला देश का आम नागरिक सभी धर्मों के त्योहारों व परंपराओं व रीति रिवाजों में खुशी से शरीक होकर प्रत्येक उत्सव का आनंद लेना चाहता है साथ ही एक दूसरे धर्म के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहता है।

नफरत, नकारात्मकता, संकीर्णता व साम्प्रदायिक वैमनस्य की सोच से भरे इन्हीं तत्वों ने गत क्रिसमस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न चर्चों व सार्वजनिक स्थलों पर ऐसा तांडव किया जिसकी चर्चा देश के मीडिया में कम परन्तु विदेशी मीडिया में ज्यादा हुई। इस दौरान भारत के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय के विरुद्ध हुई घटनाओं में तोड़फोड़, हमले और उत्पात की कई रिपोर्ट्स सामने आईं। उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मैग्नेटो मॉल में भीड़ ने क्रिसमस डेकोरेशंस में तोड़फोड़ की, जिसमें लाखों का नुक़सान हुआ। जबकि कांकेर जिले में दो चर्च जला दिये गए और कई ईसाई घरों को निशाना बनाया गया। इसी तरह असम के नालबाड़ी में सेंट मैरी स्कूल में वी एच पी कार्यकर्ताओं ने क्रिसमस बैनर्स और डेकोरेशंस को जलाया व स्कूल के पास की दुकानों पर भी हमले किये। इसी तरह केरल के पलक्कड़, चारूमूडू व पुडुसेरी में बच्चों के कैरोल ग्रुप पर हथियारों से हमला किया गया जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसी तरह मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी कुछ इलाकों में ईसाई धर्मावलंबियों की प्रार्थना सभाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान मारपीट और हंगामा किए जाने की खबर है जबकि झाबुआ में प्रेयर मीटिंग में व्यवधान डाला गया जिसमें एक नेत्रहीन महिला पर हमला किया गया। उत्तर प्रदेश में सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ लाउडस्पीकर पर बजाया गया, लखनऊ में कैथेड्रल सर्विस में तेज आवाज से धार्मिक भजन बजाए गये। इसी प्रकार राजस्थान के जोधपुर और नागौर में एक स्कूल में क्रिसमस बैनर्स तोड़े गए, नागौर में युवाओं ने स्कूल के सामने मंदिर का होने का बहाना बनाकर तोड़फोड़ की। दिल्ली के लाजपत नगर व पूर्वी दिल्ली में सेंटा कैप पहनी महिलाओं और बच्चों को बाजार से भगाया गया एक बाजार में जबरदस्त उत्पात मचाया गया। उत्तराखंड के हरिद्वार में एक होटल में क्रिसमस संबंधी एक आयोजन को रद्द करना पड़ा। जबकि ऋषिकेश में एक प्रार्थना सभा में व्यवधान डाला गया और जीसस और मैरी का अपमान करते हुये उन्हें अपशब्द कहे गए। ओडिशा के पुरी में सेंटा कैप बेचने वाले गरीब परिवार को धमकाया और भगाया गया जबकि महाराष्ट्र में मुंबई के काशीमीरा में क्रिसमस प्रोग्राम रोका गया तथा वहां मौजूद बच्चों से हिन्दू धर्म से जुड़े नारे लगवाए गये। देश भर में इस तरह कि 60 से भी अधिक घटनाओं के समाचार हैं और इन प्रत्येक घटनाओं का विरोध करने वालों में लगभग हर जगह संघ, बजरंग दल, वी एच पी, भाजपा व इनके सहयोगी अन्य हिंदुत्ववादी संगठनों के लोगों के शामिल होने की खबरें हैं।

ब्रिटेन से लेकर टर्की तक और कई अरब देशों का मीडिया भारत में क्रिसमस के अवसर पर मचाये गये तांडव को लेकर भारत को किस नजर से देख रहा है? बड़ा आश्चर्य है कि इस अवसर पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुँचते हैं और इससे जुड़ी कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साझा करते हुये लिखते हैं कि ₹दिल्ली में द कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की सर्विस में शामिल हुआ। सर्विस में प्यार, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलका। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और भाईचारा लाए। ₹ सवाल यह है कि नरेंद्र मोदी भी संघ की उसी पाठशाला के 'विद्यार्थी' रहे हैं जिसमें संघ संस्थापक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर कम्युनिस्ट विचारधारा, ईसाई और मुसलमान जैसे समुदाय को भारत की राष्ट्रीय पहचान और हिंदू संस्कृति के लिए खतरा समझते थे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुंचकर शांति व प्रेम का सन्देश देना कितना वास्तविक है और कितना औपचारिक या दिखावा? और यदि वास्तव में मोदी को क्रिसमस के अवसर पर करुणा का शाश्वत संदेश झलकते दिखाई दिया तो उसी विचारधारा के लोगों द्वारा हिंसा और उद्दंडता का ऐसा साम्प्रदायिक प्रदर्शन क्यों जिससे दुनिया में देश की बदनामी हो? दरअसल यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया (I.N.D.I.A.) के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लएसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो।ह्व यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दशार्ता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अध्यक्ष/चेयरमैन राकेश कुमार प्रजापति का गजरौला पहुंचने पर भव्य स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना भारत सरकार के चैयरमैन/अध्यक्ष राकेश कुमार प्रजापति,राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष (पूर्व दर्जा राज्य मंत्री) ओमप्रकाश गोला जनपद अमरोहा में प्रथम आगमन पर नगर पालिका परिषद में भव्य स्वागत किया गया। बता दें कि इस अवसर पर नगर पालिका परिसर में पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र, ढोल-नगाड़ों एवं भारत माता के जयघोष के साथ अतिथियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उज्ज्वला योजना के अध्यक्ष राकेश कुमार प्रजापति ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज भारत का मान-सम्मान विश्व पटल पर निरंतर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वैश्विक स्तर पर भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय योजना सहित सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएँ सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश गोला प्रजापति को लोकसभा अमरोहा का चैयरमैन मनोनीत किया, उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश तीव्र गति से विकास कर रहा है। आज प्रदेश में कानून का राज स्थापित है,अपराधियों में भय का माहौल है। माटी कला बोर्ड का गठन कर प्रजापति समाज को जो सम्मान मिला है, वह अकल्पनीय एवं अतुलनीय है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री ओबीसी मोर्चा महेंद्र सिंह,गुरबचन सिद्धू ,नमामि गंगे जिला संयोजक गुड्डू सिंह ,जोगेंद्र सिंह ,इंजीनियर महिपाल सिंह चौहान, सपना प्रजापति, भागवती प्रजापति, सोनू ठेकेदार, सचिन, शशि चौहान ,आकाश प्रजापति, सुरेश कुमार प्रजापति ,अंकुश पाल, एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन ,डॉ. सुमेर चंद, डॉक्टर उत्तम सिंह प्रजापति ,सचिन प्रधान, ओमप्रकाश, योगेश कुमार , योगेश कुमार सभासद, सुरेश कुमार ,उमेश सेठ, डालचंद सिंह आदि उपस्थित रहे

गजरौला में नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार पिता व पुत्र गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के खाद गुर्जर रोड पर बाईक व नीलगाय की टक्कर होने से बाइक सवार पिता व पुत्र गंभीर रूप से घायलहो गए। आनन फानन में दोनों घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। बता दें कि रविवार को करीब 4:00 बजे के आसपास नगर की खादगूजर रोड स्थित केएसके अकैडमी के निकट एक चलती बाइक के सामने नीलगाय के आ जाने से हादसा हो गया ,जिसमें बाइक सवार लोकेंद्र पुत्र सतपाल सिंह और उनका बेटा आकाश निवासी ग्राम मोहम्मदपुर पट्टी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आनन फानन में दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पिता व पुत्र गजरौला से वापस अपने घर लौट रहे थे जैसे ही वह खाद गुर्जर रोड स्थित केएसके अकैडमी के निकट पहुंचे तो अचानक उनकी बाइक के सामने नीलगाय आ गई और हादसा हो गया।

जोया में बसपा प्रदेश अध्यक्ष मोहित आनंद का किया गया स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष मोहित आनंद का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उनके साथ मुख्य सेक्टर प्रभारी जफर मलिक तथा विजय सिंह का भी उत्साहपूर्ण अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह में मुरादाबाद मंडल के मुख्य मंडल कोऑर्डिनेटर महेश गौतम, जिला अध्यक्ष सोमपाल सिंह, बीएफ जिला संयोजक विजेंद्र सिंह, सेक्टर अध्यक्ष अश्वनी कुमार उर्फ भोला, सेक्टर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष इलिया सैफी सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों से नेताओं का स्वागत किया, जिससे पार्टी का उत्साह चरम पर पहुंच गया। यह आयोजन बसपा की संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावी तैयारियों का प्रतीक माना जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष मोहित आनंद के नेतृत्व में बसपा को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ और बसपा की एकजुटता का संदेश पूरे क्षेत्र में फैला।

सुभासपा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर से की मुलाकात

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात विद्युत वितरण खंड में तैनात अधिशासी अभियंता पर संगठित भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं। सुभासपा के अमरोहा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज एवं बक्फ विभाग के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर से लखनऊ में मुलाकात कर शिकायती पत्र सौंपा। शिकायती पत्र में सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने आरोप लगाया है कि अधिशासी अभियंता राहुल निगम अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के माध्यम से तथाकथित विद्युत चेकिंग अभियानों के नाम पर उपभोक्ताओं से अवैध धन उगाही करवा रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि चेकिंग के दौरान उपभोक्ताओं को भयभीत कर झूठे अथवा बढ़ा-चढ़ाकर आरोप लगाए जाते हैं और बाद में सुविधा शुल्क लेकर मामलों को रफा-दफा कर दिया जाता है। आरोप लगाया है कि यह जिन मामलों में विद्युत चोरी को लेकर एफआईआर तक दर्ज हो चुकी है उनमें भी मोटी रकम लेकर नियमों के विपरीत जुमार्ने की राशि कम कर दी जाती है जिससे शासन को भारी राजस्व हानि हो रही है। पूरे मामले में अधिशासी अभियंता कार्यालय में तैनात एक लिपिक की अहम भूमिका बताई गई है जिसके माध्यम से अवैध वसूली की सेटिंग और लेन-देन का प्रबंधन किया जाता है। प्रार्थी ने मांग की है कि अधिशासी अभियंता के कार्यकाल में दर्ज सभी विद्युत चोरी मामलों, लगाए गए जुमार्नों और वास्तविक वसूली की उच्चस्तरीय जांच व ऑडिट कराया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। मामले को गंभीर बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर विभागीय व कानूनी कार्रवाई और भविष्य में अवैध वसूली रोकने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र लागू करने की मांग की गई है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शिकायती पत्र पर संज्ञान लेते हुए एक पत्र ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को भी लिखकर उपरोक्त मामले में विभागीय कार्यवाही करने की बात कही है।

जिले में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई: 6 वाहनों को किया जब्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अवैध खनन माफिया पर नकेल कसने के लिए प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है। उत्तर प्रदेश उप खनिज नियमावली के प्रावधानों के तहत जांच के दौरान पाया गया कि कुछ वाहनों द्वारा अवैध रूप से खनन किया जा रहा था। इस मामले में उप जिलाधिकारी शशि भूषण के नेतृत्व में 25 दिसंबर 25 को सुबह घने कोहरे के बीच अभियान चलाकर अवैध परिवहन और ओवर लोडिंग में 6 वाहनों का चालान काट कर थाना रजबपुर को सुपुर्द कराया। और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इससे पहले भी कई ऐसे मामलों में वाहन जब्त किए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्ती से निपटा जाएगा ताकि नियमों का उल्लंघन रुके।

जिलाधिकारी ने अभिभावकों से की अपील बच्चों के भोजन के प्रति रहें संवेदनशील

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शों के क्रम में जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग जनपद अमरोहा के अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को खाद्य सुरक्षा के प्रति समय-समय पर जागरुक किया जाता है। इसी क्रम में जनपद अमरोहा के समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी तहसील क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ जंक फूड के सेवन से होने वाली हानियों के बारे में जागरुक किया जाये एवं छात्र-छात्राओं को स्वस्थ एवं सही भोजन के प्रति प्रेरित किया जाये। समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को स्कूलों के आस-पास एवं मुख्य चौराहों पर स्थित फास्ट फूड की दुकानों एवं ठेलों पर विक्रय किये जाने वाले खाद्य पदार्थों का नियमित निरीक्षण किये जाने एवं साफ-सफाई मानकों के अन्तर्गत ही खाद्य पदार्थों के विक्रय किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से समय-समय पर स्कूल / कॉलेज में छात्र-छात्राओं को खाद्य सुरक्षा के विषय में जागरुक भी किया गया है। डीएम ने सभी जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि हम सबको एक जिम्मेदार नागरिक और अभिभावक होने के नाते इसके प्रति संवेदनशील होना चाहिए ही हमारे बच्चे क्या खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें कोशिश करनी चाहिए कि जो खाएं वो शुद्ध और स्वास्थ्य के प्रति बेहतर हो, और यथासंभव घर का खाना खाएं। साथ ही, डीआइओएस और बीएसए को भी स्कूलों में फास्ट फूड के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय/अभिहित अधिकारी विनय कुमार ने अवगत कराया कि बाजार में बिकने वाले समस्त खाद्य पदार्थों पर नियमित रूप से निरीक्षण प्रवर्तन की कार्यवाही की जाती है, खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रह कर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजे जाते हैं। प्रयोगशाला से प्राप्त जॉच रिपोर्ट में खाद्य नमूने मानक के अनुरूप न पाये जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध न्यायालय में वाद दायर किये जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद अमरोहा में इस वित्तीय वर्ष में माह नबंवर 2025 तक खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण कर प्रवर्तन कार्यवाही करते हुये खाद्य पदार्थों के कुल 279 नमूने संग्रहित किये गये हैं, कुल 223 नमूनों की जाँच रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं जिनमें 126 नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये हैं, माननीय ए.ओ. कोर्ट में 106 वाद दायर किये गये हैं तथा माननीय न्यायालय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में 22 बाद दायर किये गये हैं। ए.ओ. कोर्ट द्वारा 86 वादों में 23 लाख 10 हजार रुपये का अर्थदण्ड अध्यारोपित किया गया है।

डीएम के निर्देश पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का किया गया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा दिये गये निदेशो के अनुपालन में दिनांक 26 दिसंबर 2025 को में संचालित 08 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयो का निरीक्षण जनपद के खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया।निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा विद्यालय में उपलब्ध अवस्थाना सुविधाओं, छात्राओं के नामांकन, विद्यालय में भोजन व्यवस्था, छात्राओं की शैक्षणिक अधिगम सामग्री (स्टेशनरी), विद्यालय के निर्माण कार्यों, छात्रावास में निवास करने वाली छात्राओं के शयन सम्बन्धी व्यवस्थाओं आदि की चैक लिस्ट तैयार विद्यालयो का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षणकर्ता अधिकारियों/ खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण में छात्रावास में शयन करने सम्बन्धी व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में वार्डेन/प्रभारी को छात्राओं को वर्तमान में शीतलहर से बचाव के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी दी गया। इसके साथ ही विद्यालय में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। विद्यालय में छात्राओं को दिये गये जाने वाले भोजन की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। विद्यालय में पंजीकृत छात्राओं को दी जाने वाली सामग्री की गुप्तवत्ता एवं मात्रात्मक विवरण सही पाया गया। दैनिक उपयोग की सामग्री यथा तेल, साबुन, पेस्ट आदि छात्राओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्यालय में साफ सफाई कराने के निर्देश देते हुए विद्यालय के खिड़की, दरवाजो एवं गीजर आदि की मरम्मत की आवश्यकता का आकलन करते हुए तत्काल कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये।

एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की एक अति आवश्यक बैठक पारस बैकट हाल गजरौला मे हुई। जिसमे शिक्षको की विभिन्न समस्याओ विभागीय लम्बित कार्यो के बारे मे विस्तार से चर्चा हुई इसी के साथ साथ ब्लॉक गजरौला एवं ब्लॉक धनौरा की ब्लॉक कार्यकारिणियो का गठन किया गया। जिसमे सर्व संमिति से ब्लॉक गजरौला से तीसरी बार संजीव कुमार सागर को ब्लॉक अध्यक्ष नरेश कोशिक को ब्लॉक मन्त्री जितेन्द्र सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष लाल बहादुर को कोषाध्यक्ष हेम सिंह संयुक्त मन्त्री सोदान सिंह प्रचार मन्त्री सुषमा ब्लॉक प्रवक्ता परवीन कुमार मीडिया प्रभारी सुभाष सिंह को संगठन मन्त्री, दीपा निमेष महिला उपाध्यक्ष ब्लॉक धनौरा से धमेन्द्र सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह को ब्लॉक मन्त्री विनोद कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेशचन्द्र को कोषाध्यक्ष बब्बल सिंह को संगठन मन्त्री इसी के साथ साथ जिला कार्यकारणी का विस्तार करते हुए विजयपाल सिंह व करनपाल सिंह को जिला सचिव उमा देवी को महिला जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर सभी साथियो ने मनोनीत सभी पदाधिकारियो का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया से इस अवसर पर मण्डल वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार गौतम, जिला महामन्त्री जगवीर सिंह, संयुक्त मन्त्री महिला जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रेखा रानी देवकान्त, भरत भूषण जिला आडिटर परवीन कुमार जिला प्रवक्ता रुपेन्द्र सिंह जिला उपाध्यक्ष पंकज आर्य जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र प्रकाश व्यास जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज निमल जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी जिला लेखाकार देशराज सिंह जिला संगठन मन्त्री प्रकाश सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा० पृथ्वी सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश प्रचार मन्त्री जयवीर सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार राहुल कुमार दुर्वेश कुमार प्रदीप कुमार ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी विजेन्द्र सिंह ब्रज सरन आदि सैकडो की संख्या मे अध्यापक अध्यापिकाए उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने IGRS बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ दिए कार्यवाही के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट सभागार में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में बैठक ली गई। इस दौरान बैठक में श्रम प्रवर्तन अधिकारी , प्रभागीय वनाधिकारी, अमरोहा, ए आर टी ओ, जिला गन्ना अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी, पंचायत सेल, अमरोहा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, जोया व सैदनगली व जिला पंचायत राज अधिकारी, व सहायक आयुक्त खाद्य अधिकारी, अनुपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बैठक में अनुपस्थित विभागों के अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए गए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। प्रत्येक शिकायतकर्ता से वार्ता की जाए। मौके पर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर मौके के फोटोग्राफ्स लिए जाए। यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट है तो उससे लिखित में हस्ताक्षर कराकर आख्या के साथ संलग्न करते हुए अपलोड किया जाए। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी संदर्भ का अंतरिम निस्तारण न करके अंतिम निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उपजिलाधिकारी अमरोहा, हसनपुर, धनौरा व नौगावां सादात तथा उपजिलाधिकारी ब्रजपाल सिंह व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थिति रहे।

पुलिस और सामाजिक संस्था की मुस्तैदी से बचाई गई 6 साल की मासूम की जान

प्रयत्न संस्था ने ठंड से बचाव के लिए बच्ची को गर्म कपड़े भी किए भेंट

सम्भल(सब का सपना):- कड़कड़ाती ठंड में जान जोखिम में डालकर रस्सी पर करतब दिखा रही एक छह वर्षीय बच्ची को सम्भल पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सुरक्षित बचाया। यह कार्रवाई बाल अधिकारों के लिए कार्यरत संस्था 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' की सहयोगी 'प्रयत्न संस्था' के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी की सूचना पर हुई। शनिवार को जानता पेट्रोल पंप के सामने दो खंभों के बीच 10 फीट ऊंचाई पर बंधी रस्सी पर बच्ची करतब दिखा रही थी। गौरीशंकर चौधरी की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता को सूचित किया। अध्यक्ष के निर्देश पर कोतवाली सम्भल के प्रभारी इंस्पेक्टर

गजेंद्र सिंह ने उपनिरीक्षक एवं बाल कल्याण अधिकारी/मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी राखी चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की। टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को रस्सी से सुरक्षित उतारा और उसकी मां अंजना (पत्नी शत्रुघ्न सिन्हा) से पूछताछ की। पता चला कि वे छत्तीसगढ़ से हैं और जगह-जगह घूमकर तमाशा दिखाकर गुजारा करते हैं। बच्ची का नाम नंदिनी है। पुलिस टीम ने मां को समझाया कि इतनी कम उम्र की बच्ची को खतरनाक करतब करवाना कानूनन अपराध है। यह उम्र पढ़ने-खेलने की है, न कि जान जोखिम में डालने की। दोबारा ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। मां ने भरोसा दिलाया कि अब वे यह काम नहीं करेंगे और बच्ची को स्कूल भेजकर पढ़ाएंगे। इसके बाद प्रयत्न संस्था ने ठंड से बचाव के लिए बच्ची को गर्म कपड़े भेंट किए। यह घटना न केवल एक मासूम का बचपन बचाने का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि पुलिस, प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। बाल श्रम और खतरनाक करतबों के खिलाफ ऐसी मुस्तैदी की जरूरत हर जगह है।

राष्ट्रीय लोक दल पार्टी के कार्यकताओं ने मनाया जयंत चौधरी का जन्मदिन

जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को दी बधाई

सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी का जन्मदिन जिला सम्भल में उत्साह के साथ मनाया गया। जिला कार्यालय सिरसी में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी और जयंत चौधरी के कार्यों की सराहना की। जिला अध्यक्ष कैसर अब्बास ने बताया कि पार्टी के कैंप कार्यालय में यह आयोजन किया गया। उन्होंने जयंत चौधरी की गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने गन्ने का भाव 400 रुपये प्रति क्विंटल कराने में अहम योगदान दिया है। साथ ही, अपने मंत्रालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य किया है। सम्भल शहर अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने

कहा कि कार्यक्रम में जयंत चौधरी के राजनीतिक योगदान पर चर्चा की गई। वे वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। कार्यकताओं ने केक काटा और एक-दूसरे को खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शमीम, खलील अहमद, कैसर अब्बास, शारिक जीलानी, ताहिर, फिरसत मालिक, फरमान कस्सर, आफताब सैफी, अली अजीम, समीर अली, अरशद कुरैशी, चौधरी जसवंत सिंह, अतुल चौधरी, अली फैजान, हसन प्रधान, शाहिद खान, फहीम खान, भगत जी, अफसर अली, मुसर्रत अली सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकताओं ने जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 25 वैवाहिक विवादों का निस्तारण, 6 परिवार फिर से हुए एक

संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

यह बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते

के आधार पर निस्तारित करना था। काउंसलरों ने कुल 78 पत्रावलियों की सुनवाई की, जिसमें 25 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। सबसे सकारात्मक पहलू यह रहा कि 6 परिवारों को फिर से एकजुट किया गया, जिससे टूटते परिवारों में खुशियां लौटीं। इसके अलावा, 16 पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दी गईं, जबकि 3 मामलों में विधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई। बैठक में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट संगीता भार्गव, पूनम अरोड़ा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक, LHC रश्मि गहलोत, LC ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की इस पहल से समाज में पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा मिल रहा है और कई टूटते रिश्तों को बचाया जा रहा है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने प्रयासों को जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 233वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का किया गया आयोजन

संभल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 233वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 34 चिकित्सकों एवं 128 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2124 रोगियों (पुरुष रोगी- 967; महिला रोगी- 814 एवं 343 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 105 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 27 आभा आई.डी. बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 294, चर्म रोग

के 335, दमा के 318, मधुमेह रोग के 85, नेत्र रोग से सम्बन्धित 23, उच्च रक्तचाप के 72 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 34 मरीजों की मलेरिया की तथा 14 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (ठॅंइ३५ी) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 132 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज कुमार विश्नोई तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

संभल में ख्वाजा गरीब नवाज के उर्स के उपलक्ष्य में कुल शरीफ का आयोजन, अमन-शांति की दुआ

संभल(सब का सपना):- हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती (गरीब नवाज) अजमेरी के सालाना उर्स के मौके पर संभल में भी भक्तों ने कुल शरीफ का आयोजन कर अमन और शांति की दुआ मांगी। अजमेर शरीफ में चल रहे उर्स के समानांतर स्थानीय स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के मोहल्ला चमन शेर खां सराय स्थित दरगाह हजरत मियां मीरन शाह में शनिवार को कुल शरीफ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कुरान ख्वानी की गई और लंगर का वितरण किया गया। दोपहर में कुल शरीफ की महफिल सजी, जिसमें कुरान-ए-पाक की तिलावत

हुई। महमान-ए-खुसूसी इमाम-ए-ईदगाह संभल हजरत मौलाना जहीरुल इस्लाम ने मुल्क और शहर में अमन-शांति के लिए विशेष दुआ कराई। इस दौरान सैकड़ों हाथ दुआ के लिए उठे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को तबर्रुक वितरित किया गया। भूरा पहलवान साबरी लतीफी ने आए सभी मेहमानों का पगड़ी बांधकर इस्तकबाल किया। दरगाह हजरत जुनैद शाह मियां गुलामाने साबरी कमेटी के खादिम व कैशियर फरजंद अली वारसी ने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह पूरे मुल्क में अमन-शांति और आपसी सौहार्द का पैगाम देती है। जो लोग उर्स के लिए अजमेर नहीं जा पाते, वे यहां कुल शरीफ में शिरकत कर पुण्य प्राप्त करते हैं। इस मौके पर सिक्रेटरी इंतेजार हुसैन साबरी, सपा जिला सचिव सईद अख्तर इसराईली, जकी खां साबरी, मौ. अकीब, फहीम, मौ. वसीम साबरी, वसीम आजाद, सम्मू, असरार कुरैशी, आलिम सहित कई लोग मौजूद रहे। यह आयोजन सूफी परंपरा के तहत आपसी भाईचारे और शांति का संदेश देने वाला रहा।

धनौरा में महिला की मौत के बाद अस्पताल का रजिस्ट्रेशन रद्द

अस्पताल के संचालक सहित 7 पर एफआईआर दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित माधव नर्सिंग होम में हुई प्रसूता की मौत के बाद संबंधित अधिकारियों ने कार्यवाही करते हुए अस्पताल को सीज कर रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। घटना के 24 घंटे के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर दूसरी एफआईआर दर्ज की गई है, इस नई एफआईआर में नर्सिंग होम संचालक दंपति सहित सात लोगों पर अवैध सिजेरियन ऑपरेशन और फर्जी मेडिकल प्रैक्टिस का आरोप लगाया गया है। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने माधव नर्सिंग होम का पंजीकरण तत्काल निरस्त कर दिया है। बता दें कि पूरा मामला बीते 26 दिसंबर 2025 का है जहां थाना क्षेत्र के मुकरामपुर गांव की निवासी प्रियंका की डिलीवरी थाना क्षेत्र स्थित माधव नर्सिंग हम में हुई थी, डिलीवरी के 2 दिन बाद उसकी मौत हो गई थी, इस खबर से परिजन और ग्रामीण बुरी तरह भड़क उठे और उन्होंने सड़क पर मृतक प्रियंका के शव को रखकर जाम लगा दिया था और जमकर हंगामा किया था, स्थिति बिगड़ने पर उप जिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव एवं क्षेत्राअधिकारी अंजलि कटारिया मौके पर पहुंची थी जिन्होंने बमुश्किल भीड़ को शांत कराया था। इस मामले में प्रशासन ने नर्सिंग होम को तत्काल सीज कर दिया और संचालक राहुल डॉ ज्योति सहित लगभग 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। सीएमओ के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राहुल कुमार ने धनौरा थाने में दूसरी एफआईआर दर्ज कराई इसमें संचालक राहुल कुमार उनकी पत्नी डॉक्टर ज्योति ,डॉक्टर प्रदीप चौधरी, डॉ मनोज, डॉक्टर अली वारिस, संजीव और एक अज्ञात व्यक्ति को नामजद किया गया है, आरोप है कि इन सभी ने बिना अनुमति नर्सिंग होम चलाया ,अवैध चिकित्सा व्यवसाय किया खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों से धोखाधड़ी की और अवैध सिजेरियन ऑपरेशन कर लाभ कमाया। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोष साबित होने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। मृतका के परिजन न्याय की मांग कर रहे है, स्वास्थ्य विभाग अब क्षेत्र के अन्य निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम की भी जांच करने की तैयारी में लगा हुआ है ताकि भविष्य में ऐसी घातक घटनाओं को रोका जा सके। इस कार्यवाही ने स्वास्थ्य सेवाओं के नियमन और मरीजों की सुरक्षा के महत्व को उजागर किया है, स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कड़ी कार्यवाही की सराहना की है और क्षेत्र में चल रहे ऐसे अन्य अस्पतालों ,नर्सिंग होम की कड़ी निगरानी करने की मांग की है।

कोहरे और शीतलहर के कारण जिले के स्कूलों में शीत अवकाश घोषित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- अत्यधिक घने कोहरे और शीतलहर के चलते बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में 29 दिसंबर और 30 दिसंबर को शीत अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी सरकारी, परिषदीय, राजकीय, माध्यमिक, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड तथा मदरसा सहित सभी विद्यालयों पर लागू होगा। हालांकि, इस दौरान चल रही परीक्षाओं को इससे छूट दी गई है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश

में स्पष्ट किया गया है कि बच्चों की सेहत और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है, जिससे सुबह स्कूल आने-जाने में खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में शीतलहर और कोहरे की चेतावनी जारी की है। आदेश में यह भी निर्देश दिया गया है कि अवकाश के दौरान विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षक और शैक्षणिक कर्मचारी विभागीय कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। वे स्कूल में उपस्थित होकर आवश्यक कार्य निपटाएंगे। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभिभावकों से अपील की गई है कि बच्चों को अनावश्यक रूप से बाहर न निकालें और उनकी सेहत का विशेष ध्यान रखें।

कोहरे में भैंसों से लदी बोलेरो पिकअप और ट्रक की भिड़ंत, चालक की मौत, दो किशोर घायल

हादसे के बाद पिकअप चालक करीब 45 मिनट तक केबिन में फंसा रहा

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- जिले में घने कोहरे के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गवां-हसनपुर रोड पर थाना रजपुरा क्षेत्र के गांव सिरसा के पास भैंसों से लदी बोलेरो पिकअप और एक ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक भैंस की भी मौत हो गई। दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन अन्य भैंसें जख्मी हुईं। हादसा शनिवार सुबह करीब 8 बजे हुआ, जब घना कोहरा छाया हुआ था और दृश्यता बेहद कम थी। इसके बावजूद

दोनों वाहन तेज रफ्तार से चल रहे थे। अचानक सामने से वाहन आने पर चालकों को संभलने का समय नहीं मिला और भीषण टक्कर हो गई। टक्कर की तीव्रता इतनी थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि भैंसों से लदी पिकअप सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद पिकअप चालक करीब 45 मिनट तक केबिन में फंसा रहा। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पिकअप में सवार दो किशोर राकिब और साद गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत स्थिर है।

मृतक चालक की पहचान सलमान पुत्र नबील अहमद, निवासी गांव सीना, थाना मवाना, जिला मेरठ के रूप में हुई है। घायल किशोर मेरठ के अगवानपुर गांव के रहने वाले हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में बहाल कराया गया। थाना प्रभारी निशांत कुमार राठी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। यह हादसा सर्दियों में कोहरे के कारण बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं की चिंता को फिर से उजागर करता है। पुलिस ने चालकों से कोहरे में धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की है।

कड़कड़ाती ठंड और शीतलहर के चलते जिलाधिकारी ने किया अलाव और रैन बसेरों का निरीक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कड़कड़ाती ठंड और शीतलहर के बीच संभल जिला प्रशासन ने आमजन को राहत प्रदान करने के लिए कुछ इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि पूरे जनपद में कुल 280 स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं, ताकि ठंड से लोगों को बचाव मिल सके। जिलाधिकारी ने बहजोई मुख्य चौराहे और बस स्टैंड पर जल रहे अलाव तथा रैन बसेरों का निरीक्षण किया। जनपद में 10 स्थाई रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं, जहां बेघर और जरूरतमंद लोगों को रात गुजारने की सुविधा उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान अलाव की व्यवस्था ठीक पाई गई, लेकिन रैन बसेरों में सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाने के आवश्यक

निर्देश दिए गए।

डीएम डॉ. पेंसिया ने कहा कि शीतकालीन ठंड से आमजन की सुरक्षा सबसे प्राथमिकता है। प्रशासन की लगातार निगरानी में ये व्यवस्थाएं चल रही हैं और किसी भी कमी पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया रैन बसेरे, और अलाव की व्यवस्था सक्रिय है, जिससे कोई भी व्यक्ति ठंड की मार से असहाय न रहे। ठंड से बचाव के लिए नागरिकों से अपील की गई है कि वे गर्म कपड़े पहनें और जरूरतमंदों की मदद करें।

दिल्ली के इस इलाके से 7 नाइजीरियाई नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा, खुफिया इनपुट के आधार पर हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में सात नाइजीरियन नागरिकों को अवैध रूप से भारत में रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ये सभी व्यक्ति वैध वीजा के बिना या वीजा की समाप्ति के बाद भारत में रह रहे थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, खुफिया इनपुट के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान विदेशी नागरिकों की जांच की गई और बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के पाए जाने पर उन्हें हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि सभी गिरफ्तार व्यक्ति या तो वीजा समाप्त होने के बाद या बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से रह रहे थे। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसके बाद उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया। एफआरआरओ ने उनके निर्वासन का आदेश दिया। निर्वासन की औपचारिकताएं पूरी होने तक उन्हें डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है।

महीनों से बंद कराला की महिला लाइब्रेरी पर आज तक लटका ताला, छत टपकने पर मरम्मत के बजाए प्रशासन ने कर दिया बंद

बाहरी दिल्ली। गत जुलाई महीने में मानसून वर्षा के दौरान जलजमाव और छत से पानी टपकने के कारण बंद हुई कराला गांव की महिला लाइब्रेरी पर आज भी ताला लटका है। मरम्मत कार्य कराने के बजाय डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) व जिला प्रशासन ने इस लाइब्रेरी को बंद कर दिया। कराला और आसपास के क्षेत्र में इकलौती इस सरकारी लाइब्रेरी के बंद होने से छात्राएं परेशान हैं। गांव की लगभग 150 छात्राओं को मोटी फीस देकर निजी लाइब्रेरी की ओर रुख करना पड़ रहा है। उत्तर-पश्चिम जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि डीडीए व संबंधित एजेंसी से बात की जाएगी। जो भी समस्या हैं, उसे दूर कर अगले 15 दिन में लाइब्रेरी फिर से शुरू कराई जाएगी। एक ओर तो उपराज्यपाल व दिल्ली सरकार नई लाइब्रेरी खोलने पर जोर दे रही है। पिछले दिनों उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रिठाला में नई लाइब्रेरी का शुभारंभ किया था। दूसरी ओर, कराला गांव की लाइब्रेरी प्रशासनिक अनदेखी के चलते बंद है। पांच माह बीत चुके हैं, डीडीए और जिला प्रशासन ने इस लाइब्रेरी की सुध नहीं ली। 4 वर्ष पहले शुरू हुई थी लाइब्रेरी कराला गांव के भगतसिंह पार्क में चार वर्ष पहले लाइब्रेरी शुरू की गई थी। इस लाइब्रेरी में कराला के अलावा रामा विहार, उत्सव विहार, कंझावला, लाडपुर व अन्य क्षेत्रों की लड़कियां भी पढ़ने के लिए आती थीं। गत जुलाई महीने में वर्षा के दौरान लाइब्रेरी की छत से पानी टपकने लगा। यही नहीं, भगत सिंह पार्क परिसर में काफी पानी जमा हो गया, लाइब्रेरी पहुंचना दुश्वार हो गया। यह स्थिति कई दिन बनी रही। इसी दौरान लाइब्रेरी पर ताला लगाया गया था, जो आज तक नहीं खुला।

दुष्कर्म केस में पीड़िता को न्याय, दिल्ली हाईकोर्ट ने डीएसएलएसए को दिए मुआवजा देने के निर्देश

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले के तथ्यों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने दोषी की सजा को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता को दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना-2018 के तहत अधिकतम मुआवजा देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने पीड़िता को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया था, लेकिन प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सदस्य सचिव को निर्देश दिया जाता है कि पीड़िता को योजना के तहत दो सप्ताह के अंदर अधिकतम मुआवजा का लाभ देना सुनिश्चित कराए। वहीं, मोहम्मद हसमुद्दीन व मोहम्मद आबिद को दोषी करार देने के ट्रायल कोर्ट के फरवरी 2018 को दिए गए निर्णय को बरकरार रखते हुए पीठ ने कहा कि पीड़िता के बयान के साथ ही मामले में जुटाए गए सुबूत व फोरेंसिक जांच रिपोर्ट से स्पष्ट है कि अपीलकर्ता ने अपराध को अंजाम दिया था। पीठ ने कहा कि मामले में न सिर्फ समय पर प्राथमिकी हुई थी, बल्कि आबिद व हसमुद्दीन को पीड़िता द्वारा पहचान किए जाने पर घटना के दिन ही गिरफ्तार किया गया था। दोषी करार देने के निर्णय को बरकरार रखते हुए दुष्कर्म पीड़िता को बकाया मुआवजा देना सुनिश्चित करने का डीएसएलएसए को निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि मामले में पेश किए तथ्यों व फोरेंसिक साक्ष्य को देखते हुए दोषी करार देने के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की जाती है। अदालत ने डीएसएलएसए को दो सप्ताह के अंदर मुआवजा राशि पीड़िता को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पाक्सो के तहत 2015 में दर्ज हुई प्राथमिकी के मामले में ट्रायल कोर्ट ने 2018 में अपीलकर्ता मोहम्मद आबिद को दोषी करार दिया था। याचिका के अनुसार केशवपुरम थाना क्षेत्र में अपीलकताओं ने पहले युवती को रुपये देने की पेशकश की थी और जब उसने इन्कार किया तो दोनों उसे जबरदस्ती घटनास्थल पर लेकर गए थे। वहां पर एक अपीलकर्ता आबिद ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, जबकि हसमुद्दीन वहां पर खड़ा था।

द्वारका पुलिस ने छह दिनों में लौटाए 430 मोबाइल, लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस की मॉनिटरिंग सेल ने महज छह दिनों के भीतर दो बड़े कार्यक्रमों का आयोजन कर कुल 430 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे हैं। इसमें 23 दिसंबर को 270 मोबाइल लौटाने के बाद, अब एक समारोह में पुलिस ने बरामद कर लिए गए 160 और मोबाइल फोन उनके मालिकों के हवाले कर दिए हैं। द्वारका जिला डीसीपी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में उन लोगों को आमंत्रित किया गया था, जिनके मोबाइल फोन चोरी हो गए थे या कहीं गिर गए थे। डीसीपी अंकित सिंह और एडिशनल डीसीपी सौरभ चंद्रा ने स्वयं नागरिकों को उनके फोन सौंपे। अपने खोए हुए कीमती फोन और उसमें मौजूद डेटा को वापस पाकर कई लोग भावुक हो गए और दिल्ली पुलिस का आभार व्यक्त किया।इन मोबाइलों की बरामदगी के पीछे जिले की मॉनिटरिंग सेल की कड़ी मेहनत है। एएसआई जय भगवान के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल ओमबीर लांबा, राजेश, राजबीर, भजन पाल और कांस्टेबल अनिल कुमार, नरसिंह देव व अमित कुमार की टीम ने दिन-रात तकनीकी सर्विलांस और डेटा एनालिसिस पर काम किया है। डीसीपी ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मोबाइल सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि व्यक्ति की व्यक्तिगत यादों और महत्वपूर्ण डेटा का भंडार होता है। उन्होंने कर्मचारियों को भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।

नए साल पर दिल्लीवासियों को मिलेगी नए रेलवे पुल की सौगात, जनवरी में पीएम मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

नई दिल्ली। यमुना नदी पर ऐतिहासिक लोहा पुल के समानांतर नया रेलवे पुल बनकर तैयार हो गया है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस ने इस पुल का निरीक्षण भी कर लिया है। वह अपनी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंपेंगे, जिसके आधार पर पहले ट्रायल और फिर पुल का उद्घघाटन होगा। यदि कोई अड़चन नहीं आई तो जनवरी अंतिम सप्ताह या फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। इसके शुरू होने से पुरानी दिल्ली से गाजियाबाद के रास्ते ट्रेन परिचालन में बेहतर होगा। गति व क्षमता दोनों बढ़ेगी। इससे विशेष रूप से पूर्व दिशा के यात्रियों को राहत मिलेगी। अभी 150 वर्षों से अधिक पुराने लोहा पुल से धीमी गति से ट्रेनों की आवाजाही होती है। मानसून में जब यमुना उफान पर रहती है तो कई बार इसे बंद करना पड़ता है जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ जाती है। इस पुल रेल लाइन के नीचे सड़क मार्ग है। इस तरह से यह ट्रेन के साथ ही सड़क मार्ग के लिए महत्वपूर्ण है। अंग्रेजों ने वर्ष 1867 में इस पुल का निर्माण किया था। इसकी आयु 80 वर्ष निर्धारित थी और यह 1947 में ही पूरी हो चुकी है। लेकिन, दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण इसी पुल से ट्रेनों की आवाजाही जारी है। वर्ष

2018 में लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से इसके जर्जर हिस्से से लगभग साढ़े सात सौ टन लोहा बदला गया था। उसके बाद भी जरूरत के अनुसार मरम्मत कार्य किया जाता है। रेलवे ने वर्ष 1997-98 में यमुना पर लोहा पुल के सामानांतर एक नया पुल बनाने का निर्णय लिया था। वर्ष 2005 तक इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था परंतु, इसका निर्माण कार्य वर्ष 2003 में शुरू हो सका। तकनीकी व अन्य कारणों से कई बार इसका निर्माण कार्य बाधित हुआ। पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की आपत्ति की वजह से निर्माण कार्य रोकना पड़ा था। प्रस्तावित निर्माण क्षेत्र में सलीमगढ़ किला का कुछ हिस्सा आ रहा था, जिसका एएसआई ने विरोध किया था। इस कारण कई वर्षों तक काम बाधित हुआ। बाद में पुल के बनावट में बदलाव कर निर्माण कार्य शूरू किया गया तो प्रस्तावित पिलर वाले स्थान पर चट्टान मिलने के कारण काम रूक गया था। आईआईटी दिल्ली की सहायता से यह बाधा दूर करने के बाद फिर से निर्माण कार्य शुरू हुआ और जून 2019 तक इसे बनाने का लक्ष्य रखा गया था, परंतु वर्ष 2025 में बनकर तैयार हुआ। अधिकारियों का कहना है कि कोरोना महामारी, वायु प्रदूषण से निर्माण कार्य पर रोक जैसे कारणों से निर्माण कार्य में देरी हुई है। लगभग 90 करोड़ बढ़ गई लागत रेलवे अधिकारियों के अनुसार, डबल लाइन 865 मीटर लंबे इस पुल में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह 25 टन एक्सल लोड सहन कर सकता है। यानी भारी व तेज गति वाली ट्रेन इससे गुजरेंगी। इसके निर्माण की शुरूआती अनुमानित लागत लगभग 137 करोड़ था।

नए साल पर दिल्लीवासियों को लगेगा झटका, पेट्रोल-डीजल-सीएनजी वाहनों की बढ़ सकती है कीमत; क्या है वजह?

नई दिल्ली। अप्रैल से दिल्ली में डीजल के साथ-साथ पेट्रोल सीएनजी की गाड़ियां भी महंगी हो सकती हैं। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए डीजल वाहन पर लगने वाले 1 प्रतिशत ग्रीन सेस (पर्यावरण शुल्क) को पेट्रोल और सीएनजी वाहनों पर भी लगाने का विचार कर रही है। हालांकि यह फाइनल नहीं है सरकार इस मामले में जनता का रुख भी देखेगी। सूत्रों की मानें तो सरकार इस मुद्दे पर आंतरिक तौर पर एक सर्वे करने पर भी विचार कर रही है, क्योंकि यह मुद्दा सीधे तौर पर जनता से जुड़ा हुआ है और जनता को भी सरकार नाराज नहीं करना चाहती है। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तभी इस प्रस्ताव को अप्रैल से आने वाली दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति में शामिल किया जा सकेगा। अगर इसे लागू किया जाता है तो दिल्ली पेट्रोल, सीएनजी वाहनों के पंजीकरण पर ग्रीन सेस लगाने वाला देश का पहला राज्य बन

जाएगी। बताया जा रहा है कि गत दिनों मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में इलेक्ट्रिक वाहन नीति को लेकर हुई बैठक में इस बारे में चर्चा हुई है, जिसमें डीजल के साथ पेट्रोल और सीएनजी गाड़ियों की खरीद पर 1 से 2 प्रतिशत का ग्रीन सेस लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई है। सरकार इस प्रस्ताव पर भी विचार कर रही है वाहनों पर पर्यावरण शुल्क न लगाकर पेट्रोल डीजल पर प्रति लीटर 25 से 50 पैसे का अतिरिक्त सेस लगा दिया जाए। सरकार दिल्ली में खरीदे जाने वाली गाड़ियों पर लगने वाले वन टाइम पार्किंग चार्ज भी बढ़ाने पर विचार कर रही है। फिलहाल नई गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के समय वन टाइम 2000 से 4000 रुपये तक का पार्किंग चार्ज लगता है। इससे भी गाड़ियों के पंजीकरण का खर्च बढ़ सकता है। दिल्ली में अब तक कुल पांच लाख से अधिक ई-वीकल पंजीकृत हैं। इस साल 2025 में ही अब तक पंजीकृत हुई कुल 8.11 लाख गाड़ियों में 1.11 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं। 2024 में कुल इलेक्ट्रिक वाहन 80 हजार, 2023 में कुल इलेक्ट्रिक वाहन 77 हजार, 2022 में कुल इलेक्ट्रिक वाहन 63 हजार और 2021 में 35,444 कुल इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए थे। नई ईवी नीति में 10 साल से पुराने वाहनों पर पीयूसी प्रमाण पत्र की जांच के समय भी ग्रीन सेस लगाने का भी प्रस्ताव है। वाहनों पर ग्रीन सेस लगाने से पहले दिल्ली सरकार कराएगी सर्वे दिल्ली सरकार से जुड़े अधिकारी सूत्र कहते हैं कि पेट्रोल सीएनजी वाहनों पर ग्रीन सेस लगा देना एक संवेदनशील मुद्दा है। इसे लेकर कोई भी फैसला लेने से पहले इस बात का सर्वे भी कराया जाएगा कि इसका जनता पर क्या असर पड़ेगा। सूत्र ने कहा कि दिल्ली में अप्रैल से लागू होने वाली नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति में यह एक प्रस्ताव यह जरूर आया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर लोगों को आकर्षित करने के लिए पेट्रोल और सीएनजी के वाहनों को ग्रीन शुल्क लगाकर महंगा किया जाए। मगर इस पर अभी कोई विचार नहीं किया गया है।

कुलदीप सेंगर की जमानत के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, लगे 'आजादी' के नारे

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव विमेंस एसोसिएशन के कार्यकताओं ने गुरुवार को जंतर-मंतर पर उन्नाव पीड़िता के लिए न्याय और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान, कार्यकताओं ने उन्नाव पीड़िता के साथ एकजुटता दिखाई और कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने का कड़ा विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कुलदीप सिंह सेंगर जैसे दोषी को जेल में ही रहना चाहिए और उसे जमानत देना न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाता है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव विमेंस एसोसिएशन के नेताओं ने आरोप लगाया कि ऐसे फैसले पीड़ितों का मनोबल गिराते हैं और समाज में गलत संदेश देते हैं। कार्यकताओं ने "उन्नाव पीड़िता को न्याय दो," "कुलदीप सिंह सेंगर को जेल में रखो," और "न्याय सुनिश्चित करो" जैसे नारे लगाए। उन्होंने मांग की कि पीड़िता को पूरी सुरक्षा, सम्मान और न्याय मिले, और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छात्रों ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में कोई नरमी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार और न्यायपालिका से अपील की कि वे पीड़िता के पक्ष में ठोस कदम उठाएं और ऐसे मामलों में जल्द और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करें।

गांव कादराबाद में मामूली कहासुनी पर महिला से मारपीट,चार पर केस दर्ज

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा के बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव कादराबाद में मामूली कासुनी पर एक महिला के साथ दबंगों ने जमकर मारपीट की। इस घटना में महिला के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। बछरायूं थाना पुलिस ने घायल महिला की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है। बता दें कि यह पूरा मामला बछरायूं थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कादराबाद का है जहां के निवासी आशिक अली पुत्र नजीर अहमद ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पत्नी कनीजा खातून सुबह करीब 9:00 बजे उपले लेने गई हुई थी इसी दौरान कुछ लोगों से उनकी कहा सुनी हो गई जिसके बाद उन लोगों ने कनीजा

खातून के साथ जमकर मारपीट की और उन्हें घायल कर दिया जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं ।आशिक अली की तहरीर के आधार पर पुलिस ने भूरे के परिवार के चार सदस्यों कामिल, आमिर ,फरहीन और फरजाना के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में बछरायूं थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

दिल्ली सरकार का प्रदूषण पर एक और वार, 5100 महिलाओं को मिला उज्ज्वला उपहार

दक्षिणी दिल्ली। त्यागराज स्टेडियम में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पात्र महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए। कुल 5100 महिलाओं को सिलेंडर व पूरा उज्ज्वला सेट वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना केवल गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर मां-बहन के जीवन में सम्मान, स्वास्थ्य और स्वच्छता का उजाला फैलाने वाला एक सशक्त अभियान है। साथ ही प्रदूषण के खिलाफ जंग में निर्णायक भी साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक देशभर में 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिल चुका है। दिल्ली में भी अब तक लगभग 2.6 लाख परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना महिलाओं के चेहरे पर सुकून और आत्मसम्मान की चमक लेकर आती है। उज्ज्वला कनेक्शनों के वितरण से दिल्ली सरकार के प्रदूषण नियंत्रण मिशन को दोहरा लाभ प्राप्त हो रहा है। एक ओर लकड़ी और कोयले से जलने वाले पारंपरिक चूल्हों के धुएं से होने वाली बीमारियों से माताओं और बहनों को राहत मिलेगी, जिससे उनके स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वहीं स्वच्छ ईंधन के उपयोग से घरेलू प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी, जो दिल्ली को प्रदूषण-मुक्त बनाने के लक्ष्य को और सशक्त करेगा। कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देकर रसोई को प्रदूषण-मुक्त बनाया जा रहा है, जो पाल्यूशन-फ्री दिल्ली के लक्ष्य की दिशा में एक ठोस कदम है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज भी उपस्थित रहीं।

दिल्ली मेट्रो की इस लाइन में आई गड़बड़ी, धीमी गति से चल रही ट्रेनें; डीएमआरसी ने दिया अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सिग्नलिंग समस्या के कारण डाउन लाइन (नई दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 की ओर) पर ट्रेनें धीमी गति से चल रही हैं। यह समस्या धौला कुंड और दिल्ली एयरोसिटी स्टेशन के बीच प्रभावी है। यात्रियों को इस रूट पर अतिरिक्त समय की जरूरत पड़ सकती है। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी टीम समस्या के समाधान में जुटी हुई है और जल्द ही सामान्य गति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो की सभी अन्य लाइनों पर सेवाएं पूरी तरह सामान्य हैं और कोई व्यवधान नहीं है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे

अपनी यात्रा की योजना अनुसार अतिरिक्त समय रखें।

'भारत ट्रांसपोर्ट' की आड़ में करते ट्रकों की चोरी, 300 सीसीटीवी खंगालकर सरगना समेत गिरोह के तीन शातिर चोर किए गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन में सफलता हासिल करते हुए तीन ऐसे शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो हाई-वे पर ट्रक चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। तीनों अंतरराज्यीय ट्रक चोर गिरोह के सदस्य हैं। सेक्टर-23 द्वारका थाना पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और साहस का परिचय देते हुए इन आरोपियों को मुंडका टोल के पास से दबोचा। इनके कब्जे से चोरी का एक ट्रक बरामद किया गया है। भारत ट्रांसपोर्ट की आड़ में करता था अवैध काम पकड़े गए आरोपित की पहचान भारत (38), दीपक (27) और इंद्रजीत (47) के रूप में हुई है। पूछताछ में इनके काम करने के चौंकाने वाले तरीके का खुलासा हुआ है। मुख्य आरोपी भारत ने भारत ट्रांसपोर्ट नाम से एक फर्जी मुखौटा तैयार कर रखा था। इसकी आड़ में वह दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में ट्रकों की रेकी करता था।यह गिरोह उन ट्रकों को निशाना बनाता था जो असुरक्षित स्थानों पर खड़े होते थे। चोरी के बाद ये लोग ट्रक के नंबर प्लेट बदलकर उसे ठिकाने लगा देते

थे। इजी मनी के लालच में नहीं सुधरा मास्टरमाइंड गिरोह का मास्टरमाइंड भारत पहले भी रेलवे पुलिस द्वारा पकड़ा जा चुका है, लेकिन जेल से बाहर आते ही वह फिर से इजी मनी के लालच में बड़ी गाड़ियों को निशाना बनाने लगा। वहीं, आरोपी इंद्रजीत अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए इस गिरोह में शामिल हुआ था। एक छोटे से शक से शुरू हुई जांच डीसीपी अंकित सिंह के निदेर्शानुसार, एसएचओ बिजेंद्र छिल्लर की टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। टीम के हेड कांस्टेबल शेर सिंह ने एक संदिग्ध ट्रक का सुराग लगाने के लिए 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। कड़ी मशक्कत के बाद टीम को पता चला कि तीनों आरोपी द्वारका एक्सप्रेसवे से मुंडका की तरफ जा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत जाल बिछाया। जैसे ही आरोपियों को पुलिस की मौजूदगी का एहसास हुआ, उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन मुंडका टोल के पास पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। बरामद ट्रक सेक्टर-23 थाना क्षेत्र से चोरी किया गया था। आरोपित भारत और इंद्रजीत पर पहले से ही चोरी और आबकारी अधिनियम के तहत आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन्होंने अब तक कितने और ट्रक चोरी कर अन्य राज्यों में बेचे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात में युवाओं, स्वास्थ्य और सौर ऊर्जा पर विशेष फोकसः विज

चंडीगढ़ : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2025 का अंतिम ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम आज प्रसारित हुआ, जिसमें उन्होंने हमेशा की तरह समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर एपिसोड के माध्यम से देशवासियों को जागरूक करने के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायक जानकारियाँ साझा करते हैं। अनिल विज आज ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम को सुनने एवं देखने के उपरांत मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया और उनकी मेहनत, नवाचार एवं विभिन्न क्षेत्रों में हो रही उपलब्धियों की सराहना की। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एडवाइजरी का उल्लेख

करते हुए अनावश्यक एंटीबायोटिक के प्रयोग से बचने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना जांच-परीक्षण और चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक का सेवन भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है, क्योंकि इससे दवाओं का प्रभाव कम हो जाता है। विज ने बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 2 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर सरकार द्वारा 1.10 लाख की अनुदान राशि दी जा रही है और लगभग इतनी ही लागत में सोलर सिस्टम स्थापित हो जाता है। एक बार सिस्टम लगने के बाद घर के बिजली बिल से लगभग मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने पात्र नागरिकों से इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। और ये भी पढ़ेइसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने ह्यमन की बातह्व में श्रीनगर में हुई पुरातात्विक खुदाई के ऐतिहासिक साक्ष्यों का भी उल्लेख किया, जिनके अवशेष फ्रांस में संरक्षित हैं और जो लगभग 2000 वर्ष पुरानी सभ्यता की ओर संकेत करते हैं।

पानी को लेकर हुआ विवाद, झगड़े में 4 घायल, 7 के खिलाफ केस दर्ज

हरियाणाः हरियाणा के पलवल जिला स्थित हथीन उपमंडल के गांव उटावड़ में रास्ते में पानी फैलाने को लेकर झगडा के दौरान चार लोग घायल हो गए। घायलों से लूटपाट कर जान से मारने की धमकी दी गई। घायलों में दो सगे भाई भी शामिल हैं।उटावड़ थाना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ अपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। अभी तक किसी भी आरोपी को अरेस्ट नहीं किया गया है। उटावड़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रेणू शेखावत ने बताया कि उटावड गांव निवासी जुबैर ने पुलिस को इस बारे मे शिकायत दी है। शिकायत में जुबैर कहा है कि वह

अपने घर पर पानी की नली से पानी भर रहा था। नली पुरानी होने के कारण कुछ पानी रास्ते में फैल रहा था। सहाबुद्दीन, मुनफेद, साकिर, जमशेद, उमर, मकसूद और वारिश ने पानी को रास्ते में फैलाने से मना किया। इसी बात को लेकर वाद-विवाद हो गया। वाद-विवाद के चलते घर में घुसकर हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में देसी कट्टा, लाठी, फरसा और कुल्हाड़ी जैसे हथियार थे। हमले में जुबैर और उनके भाई सहिद को चोटें आईं। परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए। हमले के दौरान आरोपी मुनफेद ने जुबैर की जेब से 20 हजार 700 रुपए भी जबरन छीन लिए। झगड़े का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। हमलावर ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उटावड़ पुलिस ने जुबैर की शिकायत पर सभी सात नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नूंह में ज्वेलर की दुकान से करोड़ों की चोरी, हथियारों से लैस होकर आए बदमाश

नूंह : हरियाणा के नूंह जिले के पिनगवां कस्बे में देर रात ज्वेलर्स की दुकान की सटर को तोड़ डकैती की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाशों ने कस्बे के मुख्य बाजार में स्थित नत्थीलाल हरिओम सुनार की दुकान को निशाना बनाते हुए शटर तोड़कर करोड़ों रुपये का सोने-चांदी का सामान चोरी कर लिया। चोरी की घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है।बताया जा रहा है कि चोर रात के अंधेरे में दुकान के शटर को तोड़कर अंदर दाखिल हुए और वहां रखे कीमती जेवरात व अन्य सामान समेटकर फरार हो गए। सुबह जब दुकान मालिक ने दुकान खोली तो शटर टूटा हुआ मिला और अंदर रखा सामान गायब था, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुनहाना के डीएसपी जितेंद्र सिंह राणा व पिनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डीएसपी जितेंद्र सिंह राणा ने घटनास्थल पर डॉग स्क्वाड टीम और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू करा दी है। फोरेंसिक टीम ने मौके से अहम सबूत जुटाए हैं। वहीं डॉग स्क्वाड ने आसपास के क्षेत्र में सुराग तलाशने का प्रयास किया। चोरी की पूरी वारदात दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। डीएसपी जितेंद्र सिंह राणा ने बताया कि बीती रात लगभग तीन बजे एक दर्जन व्यक्ति जो सीसीटीवी फुटेज में सामने आ रहे हैं। उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया है। जितेंद्र सिंह राणा का कहना है कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगभग पुलिस की सभी मुख्य टीम लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के आधार पर सभी बदमाशों की पहचान की जा रही है, जल्द ही सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। वहीं पीड़ित ज्वैलर्स का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही इस मामले को सुलझाने का काम करेगी।

अरावली पर बेवजह बवाल, कॉलोनी लाइसेंस से बढ़ेगा असली खतरा : राव इंद्रजीत सिंह

रेवाड़ी : अरावली क्षेत्र को लेकर मचे विवाद के बीच गुरुग्राम सांसद व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि पूरी अरावली में माइनिंग महज 0.9 फीसदी ही है, ऐसे में माइनिंग को लेकर मचाया जा रहा बवाल निरर्थक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी असली चिंता कुछ और है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि नई डेफिनेशन के चलते कहीं दिल्ली-एनसीआर में अरावली की जमीन का दोहन न हो जाए। आशंका जताई कि कॉलोनियों के लाइसेंस के नाम पर अरावली क्षेत्र को काट दिया जाए और खुदाई का रास्ता खुल जाए। उन्होंने कहा कि यही अरावली के लिए सबसे बड़ा खतरा है। केंद्रीय

मंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार अरावली संरक्षण को लेकर लगातार काम कर रही है और किसी भी सूरत में इसके अस्तित्व से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत जैसे-जैसे विकसित होगा, वैसे-वैसे आसपास की अफरा-तफरी भी समाप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द विकसित राष्ट्र बनेगा। नए साल में रेवाड़ी को बड़ी सौगात मिलने के संकेत देते हुए राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि रेवाड़ी शहर को आरआरटीएस प्रोजेक्ट से जोड़ा जाएगा, जिससे रैपिड मेट्रो न केवल हाईवे बल्कि शहर तक पहुंचेगी। राव तुलाराम स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि मजबूत खिलाड़ी देश की मानसिकता बदलते हैं। जीडीपी के साथ-साथ खेलों में भी भारत को अधिक से अधिक पदक जीतने होंगे। खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। इस दौरान उन्होंने फुटबॉल खिलाड़ियों से बातचीत कर उनके विचार भी जाने।

टिंबर मार्केट से लकड़ी से लदी ट्राली लेकर हुए फरार हुए फरार, 20 घंटे बाद फिर ऐसे मिली ट्राली

यमुनानगरः जिले से चोरी की एक बेहद अनोखी और चौंकाने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पुलिस और व्यापारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। मामला मानकपुर टिंबर मार्केट का है, जहां देर रात चोरों ने लकड़ी से लदी एक पूरी ट्रॉली पर ही हाथ साफ कर दिया। चोर ट्रैक्टर की मदद से लकड़ी से भरी ट्रॉली को मौके से लेकर फरार हो गए। हैरानी की बात यह रही कि इतनी बड़ी चोरी को अंजाम देने के बावजूद किसी को भनक तक नहीं लगी। घटना के करीब 20 घंटे बाद, यह ट्रॉली मंगलौर छल्लौर क्षेत्र में नदी के किनारे से बरामद की गई, जहां इसे छुपाने की कोशिश की गई थी। चोरी की पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर ट्रैक्टर से ट्रॉली को ले जाते हुए नजर आ रहे हैं।

हालांकि, अभी तक चोरों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जगाधरी सदर थाना पुलिस और सीआईए की टीमें सक्रिय हो गई हैं। अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही ट्रॉली चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।ट्रॉली के मालिक नाजिम ने बताया कि देर शाम हम टिंबर मार्केट में ट्राली खड़ी करके चले गए सुबह देखा तो हमारी ट्राली वहां पर नहीं थी हमने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी तो दूसरी तरफ अकरम टिंबर के ओनर अली खान ने बताया कि रोजाना की तरह यहां ट्राली खड़ी होती है और देर शाम भी चार ट्रॉली हमारी दुकान के सामने खड़ी थी लेकिन सुबह आकर देखा तीन ट्रॉली थी एक ट्राली लकड़ी से लदी उसमें से गायब थी। इसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी। अभी तक चोर का पता नहीं चल पा रहा है।

31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे 3 आईपीएस, नए साल पर हरियाणा को मिलेगा नया डीजीपी

चंडीगढ़ः साल 2026 में हरियाणा पुलिस में बड़ा फेरबदल हो जाएगा। 31 दिसंबर को पुलिस महानिदेशक सहित तीन अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पुलिस विभाग को नए साल पर नया मुखिया (डीजीपी) भी मिल जाएगा। 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले 1992 बैच के आईपीएस डीजीपी ओपी सिंह, होम गार्ड्स एवं सिविल डिफेंस के कमांडेंट जनरल 1989 बैच के आईपीएस मोहम्मद अकील सेवानिवृत्त होंगे। इसके साथ ही 31 दिसंबर को जेल महानिदेशक के तौर पर आलोक राय का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने आलोक राय को जेल महानिदेशक पद पर ही तीन महीने का सेवा विस्तार

दिया था। नए डीजीपी के चयन के लिए अगले सप्ताह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की बैठक होगी। इससे पूर्व यूपीएससी ने दिवंगत वरिष्ठ आईपीएस वाई पूरण सुसाइड मामले की जानकारी, पूर्व डीजीपी कपूर के वेतनमान व 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी एसके जैन का पूरा सेवा रिकॉर्ड भी मांगा है। पैनल में शत्रुजीत कपूर (1990 बैच), एसके जैन (1991 बैच), अजय सिंघल (1992 बैच), आलोक मित्तल और अर्शिदर चावला (दोनों 1993 बैच) का नाम शामिल है।

प्रदेश की 7 जिला जेलों में पेट्रोल पंपों का लोकार्पण, जेल मंत्री ने सोनीपत से किया शुभारंभ

सोनीपतः सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए आपराधिक गतिविधियों को कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेल अब दंड नहीं सुधार की दिशा में उदाहरण बन रही हैं, जिसके कारण प्रदेश की जेलों में सुधार के साथ-साथ बंदियों को नवाचार कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि सजा उपरांत कैदी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। रविवार को जेल मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, नगर निगम मेयर राजीव जैन, जेल महानिदेशक आलोक कुमार राय की मौजूदगी में जिला जेल, सोनीपत परिसर से सोनीपत, करनाल, फरीदाबाद, हिसार, अम्बाला, यमुनानगर और नूंह जेल परिसर में स्थापित जेल फिलिंग स्टेशन का उद्घाटन किया।

जेलमंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि बंदियों को उनके अच्छे आचरण के आधार पर जेल से बाहर काम के अवसर की संभावना को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर कुरुक्षेत्र जेल में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जेल फिलिंग स्टेशन की स्थापना की गई थी, इसकी सफलता उपरांत प्रदेश में 11 जेलों में जेल फिलिंग स्टेशन स्थापित करने

का निर्णय लिया गया और आज इसी प्रक्रिया में 7 पम्पों का शुभारंभ किया गया है।

उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक प्रदेश की नारनौल, भिवानी, सिरसा व झज्जर जेल परिसर में भी जेल फिलिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि यदि सही योजना, ईमानदार क्रियान्वयन और सार्वजनिक उपक्रमों का सहयोग मिले तो जेलों को आत्मनिर्भरता, कौशल विकास और सुधारात्मक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जेलें देश की सबसे सुरक्षित और अनुशासित जेलें हैं।

आधुनिक सुरक्षा उपकरण, सीसीटीवी कैम्रर, जैमर, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम और सतत निगरानी से किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा गया है।

खबर एक्सप्रेस

खेत में काम कर रहे युवा किसान को पल में ले गई मौत

भिवानीः लोहारू क्षेत्र के गांव बसीरवास में शनिवार शाम एक दर्दनाक घटना पेश आई। यहां खेत में काम करते समय किसान की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान अजय (उम्र करीब 39 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे अजय अपने खेत में गेहूं की फसल में पानी देने के लिए पाइप लाइन बदल रहा था। इसी दौरान अचानक उसे हार्ट अटैक आया और वह खेत में ही गिर पड़ा। घटना के समय पास के खेत में मौजूद पड़ोसी विकास ने अजय को गिरते हुए देखा और तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और अजय को गंभीर अवस्था में लोहारू के उप नागरिक अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अजय को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही लोहारू थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जरनैल सिंह पुलिस टीम सहित अस्पताल पहुंचे। मामले की आगामी कार्रवाई उप-निरीक्षक सज्जन सिंह द्वारा शुरू की गई। जांच अधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि रविवार को मृतक अजय का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के भाई राजपाल के बयान के आधार पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

केएमपी एक्सप्रेसवे पर हुई लूट को लेकर बड़ा खुलासा, खास करीबी ने दिया वारदात को अंजाम

बहादुरगढ़ः केएमपी एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार की रात हुई 39 लाख लूट मामले में भतीजे समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लूट की साजिश का मास्टरमाइंड भतीजा ही निकला जो पूरी वारदात के दौरान साथियों को फोन के जरिए लाइव लोकेशन उपलब्ध करा रहा था। थाना आसौदा पुलिस और सीआईए-1 की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। यह भी सवाल उठ रहे हैं कि पुलिस एफआईआर में 2 लाख की दर्ज हुई लूट 39 लाख की कैसे हो गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर सुराग जुटाए। जांच में सामने आया कि पूरी वारदात पहले से सुनियोजित थी।आरोपियों में साहिल उर्फ सुनील निवासी ईस्माईलपुर, सन्नी निवासी खेतावास (गुरुग्राम), अमित निवासी बुढ़ेड़ा चंदू (गुरुग्राम) और वंश निवासी सरढाणा (गुरुग्राम) शामिल हैं।सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और उन्हें रविवार को बहादुरगढ़ की अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी लगातार दबिश दे रही है। यह है पूरा मामला : रेवाड़ी के कसोला गांव निवासी सूबे सिंह ने एफआईआर में पुलिस को बताया कि वह पहले अलवर निवासी कृष्ण सिंह के साथ काम करते थे। कृष्ण की कृष्ण पेट्रो प्रोडक्ट नाम से कंपनी है। शुक्रवार को वह भतीजे के साथ शामली रोड स्थित रेड लाइट के पास अनुराग नाम के व्यक्ति से दो लाख रुपये लेकर लौट रहे थे। जैसे ही केएमपी पर कटरा एक्सप्रेसवे के नजदीक पहुंचे को सुनील ने लघुशंका के बहाने गाड़ी रुकवाने की जिद की। कार रोकते ही दो गाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। दो कारों से 5-6 युवक उतरे और हॉकी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावर डिग्गी से दो लाख रुपये और बैग लेकर भाग गए। पीड़ित का आरोप है कि पूरी घटना के दौरान सुनील ने न तो उन्हें बचाने की कोशिश की और न ही बदमाशों ने भतीजे को कोई नुकसान पहुंचाया।

जुलाना में संदिग्ध हालात में युवक की मौत, बहन ने लगाए हत्या के आरोप

जुलाना : हथवाला गांव निवासी 20 वर्षीय युवक विनोद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की बहन ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में अपने भाई की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद के सामान्य अस्पताल में भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हथवाला गांव में युवक मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद के सामान्य अस्पताल में भिजवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हरियाणा में नए साल में होंगे निकाय चुनाव, 6 निकायों में वार्डबंदी पूरी

चंडीगढ़ः हरियाणा में नए साल पर प्रस्तावित नगर चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। फिलहाल 6 निकायों में वार्डबंदी का काम पूरा हो गया, जिनमें 3 निकायों में वार्ड भी आरक्षित किए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने वार्डबंदी का कार्य पूरा होने की अधिसूचना जारी कर दी है। जल्द ही नगर निगमों के मेयर, नगरपालिकाओं व नगर परिषदों के मेयर और अध्यक्ष पदों को आरक्षित करने का निर्णय लिया जा सकता है।

अधिसूचना के अनुसार नगर परिषद रेवाड़ी में 32 वार्ड हैं और वार्डों को सीमाएं निर्धारित कर दी हैं। नगर निगम सोनीपत में 22 वार्ड हैं और अम्बाला - में कुल 20 वार्ड हैं। इन दोनों ही नगर निगमों में भी वार्डों की सीमाएं निर्धारित कर दी हैं और इन्हीं सीमाओं के आधार पर चुनाव होगा। रेवाड़ी की धारूहेड़ा, रोहतक की सांपला नगरपालिका और हिसार की उकलाना नगरपालिका में वार्ड भी आरक्षित कर दिए गए हैं। अभी नगर निगम पंचकूला में वार्डबंदी फाइनल नहीं हो सकी है। निकाय चुनावों को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में अम्बाला, सोनीपत और पंचकूला में नगर निगम के चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनावी मोड में रहने वाली भाजपा ने भी तीनों नगर निगम में चुनाव के लिए कमर कस ली है। गत दिनों मुख्यमंत्री नायब सैनी विधायकों के साथ बैठक कर चुके हैं।बताया गया कि भाजपा ने चुनावी क्षेत्र वाले अपने विधायकों को चुनावी जिम्मेदारी भी सौंप दी है। मुख्यमंत्री ने निगम से संबंधित विधायकों को चुनाव की तैयारियों में जुटने के निर्देश जारी किए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने जिला अध्यक्षों को भी निर्देश दिए कि सरकार की नीतियों से लोगों को अवगत करवाएं। साथ ही 25 सितम्बर से लॉन्च हुई दीनदयाल लाडो योजना के बारे में भी लाभार्थियों को बताएं। प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि सभी नगर निगम वाड की वार्डबंदी हो चुकी है और चुनाव तय समय पर करने के लिए प्रक्रिया तेजी से चल रही है। हरियाणा में बी. जे.पी. छोटी सरकार में भी बाजी मारेगी।

सेना की फायरिंग रेंज में ब्लास्ट में चार जवान घायल, दो की हालत गंभीर

सहारनपुर (एजेंसी)। मिर्जापुर क्षेत्र स्थित सेना की फायरिंग रेंज में नियमित अभ्यास के दौरान अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। धमाके की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अभ्यास रोक दिया गया। घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। बेहट सीएचसी के चिकित्सकों के मुताबिक चारों जवानों को चोटें आई हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल जवानों को जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि अन्य दो जवानों का इलाज वहीं किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी फायरिंग रेंज पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, ताकि किसी और अनहोनी से बचा जा सके। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को अस्थायी रूप से सील कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन ने भी इमरजेंसी वार्ड को अलर्ट मोड पर रखा। अतिरिक्त डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए ताकि घायल जवानों को तुरंत और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। गंभीर जवानों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसा तब हुआ जब फायरिंग रेंज में नियमित ट्रेनिंग चल रही थी। अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। हालांकि, ब्लास्ट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवानों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मानवीय चूक या किसी अन्य कारण से हुआ।

नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली तैयार... 20,000 जवान पर रहेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष तैयारी की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रहेगी। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहने वाले है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच होगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना तैयार की है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग करेगी। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त किया जाएगा। कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टॉक और आईपीओ से पैसा होगा डबल.....कहकर लगा दिया 16 लाख रुपये का चूना

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने फेक स्टॉक और आईपीओ में निवेश कर अपनी पूरी कमाई, करीब 16 लाख रुपये, गंवा दी। यह धोखाधड़ी वाटसएप के जरिए हुई, जहां पीड़ित को एक प्रोफेशनल निवेश ग्रुप में शामिल किया गया। शामिल करने के बाद ग्रुप में उन्हें कई फेक दावे दिखाए गए और बताया गया कि स्टॉक मार्केट और आईपीओ में निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। जुलाई में पीड़ित को एक लिंक भेजा गया, जिसमें ऑनलाइन फॉर्म भरने और एक एप इंस्टॉल करने को कहा गया। शुरुआत में विक्टिम ने 5,000 रुपये निवेश किए और 5,245 रुपये का रिटर्न देखा, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया और उन्होंने और पैसे निवेश करना शुरू किया। साइबर ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराए और कुल 16 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में, पीड़ित के वॉलेट में 18 लाख रुपये का लोन दिखाई दिया, जिससे वह हैरान रह गए। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तब उन्हें प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त 9 लाख रुपये की डिमांड की गई। इस घटना के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी का शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसतरह के निवेश ग्रुप्स में शामिल होने और जल्दी अमीर बनने के लालच में आने से बचना चाहिए। यह साइबर ठगों की पुरानी और आम चाल है, जिसमें बहुत से लोग फंस चुके हैं। इसतरह के मामले चेतावनी हैं कि ऑनलाइन निवेश और कमाई के झांसे में सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है।

छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले नेता नजरबंद... महबूबा, इल्तिजा और रुहुल्लाह मेहदी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद किया गया। जिला प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट करने के बाद उठाया, जिन्होंने गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित करने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की बात कही थी।

विवाद बढ़ने पर दिग्विजय सिंह की सफाई...

गोडसे की विचारधारा से कुछ सीखने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की प्रशंसा कर राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी थी। लेकिन अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विचारधारा के स्तर पर वे अब भी संघ के धुर विरोधी हैं और गांधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा से कांग्रेस को कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।

दरअसल विवाद की शुरुआत तब हुई जब दिग्विजय ने आरएसएस के अनुशासन और जमीनी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों तक पहुंचाने की क्षमता की सराहना की थी। अपनी सफाई में उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, कह दिया। मैं पिछले 50 सालों से कांग्रेस में हूं और मैंने विधानसभा से लेकर संसद तक इन सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं भाजपा-आरएसएस की विचारधारा का हमेशा विरोधी रहा हूं और आगे भी इस विचारधारा का विरोधी रहूंगा।

जब सिंह से संघ के अनुशासन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने तीखा हमला कर कहा कि कांग्रेस को गोडसे जैसे हत्यारों के समर्थकों से कुछ भी सीखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर दोहराया कि किसी भी संगठन को समय-समय पर खुद को मजबूत करने की जरूरत होती है।

बात दें कि दिग्विजय के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर भी एक नई बहस छेड़ दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर अलग-अलग राय रखते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन बेहद जरुरी है। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी का 140 साल का लंबा इतिहास है और हम अपने अतीत से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं भी चाहता हूँ कि हमारा संगठन मजबूत और अनुशासित बने।

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कड़ा रुख दिखाकर कहा कि आरएसएस से सीखने जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि गोडसे के लिए जाने जाने वाला संगठन भला गांधी द्वारा स्थापित संगठन को क्या सिखा सकता है?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1995 की पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे दिख रहे थे और उनके पास तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एल.के. आडवाणी मौजूद थे। इस फोटो के जरिए दिग्विजय ने संकेत दिया था कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि कैसे आरएसएस और भाजपा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका देती हैं।

कोहरे का कहर : वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

नई दिल्ली। सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

देरी से चल रही प्रमुख ट्रेनें- नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष, नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हुबली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस।

दिल्ली में सक्रिय 35 हजार नकली डॉक्टर... कार्रवाई के नाम पर एक पर ही एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बिना डिग्री और मेडिकल पढ़ाई के लोगों का इलाज कर रहे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के उदासीन रवैये का खुलासा हुआ है।बीते दो सालों में दिल्ली में केवल एक नकली डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि राजधानी में हजारों की संख्या में इसतरह के लोग गलत इलाज कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में 9 मामलों की जांच की गई, लेकिन एक भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

इसकी वजह यह रही कि डीएमसी की ओर से एक भी केस पुलिस को एफआईआर दर्ज कराने के लिए नहीं भेजा गया। वहीं, 2025 में अब तक 22 मामलों की जांच हुई, लेकिन केवल एक केस पुलिस को भेजा गया, जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पिछले पांच सालों में दिल्ली में नकली डॉक्टरों के खिलाफ कुल 22 एफआईआर दर्ज हो सकी है। इस बारे में दिल्ली मेडिकल काउंसिल के एंटी क्रैकरी सेल के अधिकारी ने कहा कि साल 2015 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश जारी कर एक कमिटी बनाई थी, जिसे हर महीने दिल्ली में छापेमारी करनी थी। हालांकि, यह रिपोर्ट साफ दिखा रही है कि आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में 35 से 40 हजार नकली डॉक्टर सक्रिय हैं, जो इलाज के नाम पर आम जनता को ठग रहे हैं। कई बार गरीब मरीजों को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

सीएम सरमा ने किया आगाह कहा- असम को बांग्लादेश में मिलाने की हो सकती है कोशिश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बांग्लादेश के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां इनकी आबादी करीब 40 प्रतिशत हो चुकी है। जिस दिन ये आबादी 50 प्रतिशत का आकड़ा पार कर लेगी उसी दिन से बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के प्रयास शुरु हो जाएंगे। यह आशंका असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा ने राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थिति को असम की अस्मिता और संस्कृति के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

मुख्यमंत्री सरमा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा, आज हम अपनी आंखों से इस वास्तविकता को देख रहे हैं। यदि यह आबादी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई, तो असम के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगेगा। बांग्लादेश में हाल ही में हुई दीपू दास की मॉब लिंचिंग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने असम के लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि अगर आज वहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो असम के लोग कल्पना कर सकते हैं कि अगले 20 वर्षों में यहां की स्थिति क्या होगी। उन्होंने घुसपैठियों की वफादारी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि भारत और बांग्लादेश के बीच युद्ध होता है तो ये लोग किसका साथ देंगे?मुख्यमंत्री ने जनगणना के पुराने आंकड़ों और भविष्य के अनुमानों को साझा करते हुए बताया कि 2011 में मुस्लिम आबादी 34 प्रतिशत थी, जिसमें बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम 31 प्रतिशत और स्थानीय मुस्लिम मात्र 3 प्रतिशत थे। 2027 तक यह संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत होने का अनुमान है। स्वदेशी आबादी गिरकर 60 प्रतिशत पर आ गई है और इसमें और गिरावट की आशंका है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि उनके जीवनकाल में घुसपैठियों की आबादी 21 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है और उनके बच्चों के समय तक असमिया समुदाय की आबादी सिमटकर मात्र 30 प्रतिशत रह सकती है। आगामी विधानसभा चुनावों को मुख्यमंत्री ने महज एक राजनीतिक मुकाबला न मानकर सभ्यता की लड़ाई करार दिया। उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जिसके कारण राज्य में एक नई सभ्यता विकसित हो गई है। इनकी संख्या अब लगभग 1.5 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सरमा ने कहा कि यह लड़ाई अपनी भूमि (माटी), पहचान (जाति) और आधार (भेटी) को बचाने की है। उन्होंने भाजपा को असम के लिए उम्मीद की आखिरी किरण बताते हुए कहा कि पार्टी राज्य को घुसपैठियों के कारण पैदा होने वाले अंधेरे के गर्त में गिरने से बचाएगी।

मुख्यमंत्री ने असम को शंकर-अजान (वैष्णव संत शंकरदेव और सूफी संत अजान फकीर) की धरती बताने वाली धारणा को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि असम केवल शंकर-माधव (शंकरदेव और उनके शिष्य माधवदेव) की भूमि है। उन्होंने कहा कि अजान फकीर के साथ महापुरुषों की तुलना करके हमारी सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने अहोम सेनापति लाचित बोरफुकन का स्मरण किया, जिन्होंने बीमार होने के बावजूद मुगलों को हराया था।

कोगिलू गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस के अंदर मचा दी खलबली

-आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में चलाए गए डिमोलिशन ड्राइव ने कांग्रेस के अंदर मतभेद उजागर कर दिए हैं। विरोध प्रदर्शन, विपक्षी दलों की आलोचना और पार्टी के अंदरखाने में उठ रही आवाजों के बीच कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी है। यह पूरा मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके में येलहंका के पास कोगिलू गांव का है। यहां तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है। इस कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए और विपक्ष के हमलों के साथ-साथ कांग्रेस के अंदर से भी असहज सवाल उठने लगे हैं, जिससे कर्नाटक सरकार बचाव के मोड में आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार से इस मुद्दे पर बात की। वेणुगोपाल ने कोगिलू गांव से लोगों को हटाने की कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि इस तरह के कदमों में कहीं ज्यादा सावधानी, संवेदनशीलता की जरूरत होती है। उन्होंने साफ कहा कि फैसलों में मानवीय कीमत को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। वेणुगोपाल के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस पूरी कार्रवाई के तरीके को लेकर सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ने भरोसा दिलाया है कि वे खुद प्रभावित परिवारों से संवाद करेंगे, शिकायत निवारण तंत्र बनाएंगे और पुनर्वास व राहत सुनिश्चित करेंगे।

इस बीच सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने कमजोर और गरीब परिवारों को बिना पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था के बेघर कर दिया है। उन्होंने तुरंत पुनर्वास, अस्थायी आश्रय और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। एसडीपीआई के कर्नाटक महासचिव मुजाहिद पाशा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वही बेदखली की राजनीति अपना रही है, जिसकी वह पहले आलोचना करती रही है। मंत्रियों के इस दावे को भी उन्होंने खारिज कर दिया कि यहां रहने वाले लोग अवैध प्रवासी थे या यह जमीन केवल ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आरक्षित थी। पाशा ने केरल के सीएम पिनराई विजयन की आलोचना का हवाला दिया और कहा कि यह मामला अब सिर्फ कर्नाटक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है।

सीएम सिद्धारमैया ने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि येलहंका के पास कोगिलू बदवाने क्षेत्र की जमीन कचरा डंपिंग साइट है, जो लोगों के रहने के लिए उपयुक्त नहीं है और उस पर अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवारों को पहले ही कई बार नोटिस जारी कर वहां से हटने को कहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद बेदखली की कार्रवाई जरूरी हो गई। उन्होंने बेंगलुरु महानगर पालिका के आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वहां रहने वाले अधिकतर लोग स्थानीय नहीं बल्कि प्रवासी मजदूर हैं, फिर भी मानवीय दृष्टिकोण से उनके लिए उचित आवास की व्यवस्था की जाएगी।

एसआईआर पर बंगाल के प्रशासनिक अधिकारियों को आपत्ति, चुनाव आयोग को लिखे पत्र से मचा हंगामा

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर आशंका जताई है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में केंद्रीय चुनाव आयोग, निर्धारित वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर रहा है।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है। एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने या नोटिस जारी करने का अधिकार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है। मौजूदा प्रक्रिया में ईआरओ की भूमिका सीमित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है , चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के जरिए सीधे नोटिस जनरेट हो रहे हैं। जिससे स्थानीय स्तर पर जांच और सुनवाई की गुंजाइश समाप्त हो गई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं। इससे ईआरओ को यह तय करने का अवसर नहीं मिल रहा। वह किन मामलों में नोटिस जारी करे या किन मामलों में सुनवाई आवश्यक है। इससे बड़े पैमाने पर केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से बड़ी संख्या में वोटर डिलीशन हो सकता है। जिसमें स्थानीय अधिकारियों की भूमिका औपचारिक रह जाएगी। इससे बीएलओ और ईआरओ को मतदाताओं के कोपभाजन का शिकार होना पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों ने चेतावनी दी है, यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है। तो आम जनता इसका दोष स्थानीय ईआरओ पर डालेगी, जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में ईआरओ को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। इससे अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

एसोसिएशन का कहना है, एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय की स्थान पर स्थानीय स्तर पर दस्तावेजों की जांच, सुनवाई और मानवीय हस्तक्षेप जरूरी है। चुनाव आयोग से मांग की है, ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां पूरी तरह सौंपी जाएं। किसी भी प्रकार की डिलीशन प्रक्रिया से पहले पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित की जाए।

इस पत्र के सामने आने के बाद एसआईआर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बवंडर मच गया है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रशासनिक अधिकारियों की इस आपत्ति ने एसआईआर की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर देश भर में एक नई बहस छिड़ गई है।

आंतकी संगठनों के टारगेट पर 'वाइट कॉलर मॉड्यूल'...संदेह कम और समाज में घुले-मिले रहते

भारतीय खुफिया एजेंसियों के लिए बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद के बदलते स्वरूप ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। हालिया इनपुट्स मिले हैं कि अल-कायदा जैसे आतंकी संगठन अब पारंपरिक हिंसक हमलों के बजाय एक नए, डिजिटल और वैचारिक मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस रणनीति का उद्देश्य तात्कालिक दहशत फैलाने से अधिक लंबे समय में विचारधारा के द्वारा प्रभाव बनाना है।

दरअसल दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद ÷वाइट कॉलर मॉड्यूल÷ पर फोकस बढ़ा है। इसी कड़ी में पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड द्वारा अक्टूबर 2025 में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर की गिरफ्तारी को एक अहम केस माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन से वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ था। उसके डिजिटल फुटप्रिंट—जैसे एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन, संग्रहित प्रोपेगेंडा सामग्री और क्लोज्ड ऑनलाइन ग्रुप्स में सक्रियता ने साफ कर दिया हैं कि कट्टरपंथ अब ज्यादा ÷ऑनलाइन और छिपा हुआ÷ हो चुका है।

इस मामले में सबसे बड़ी चिंता की बात यह हैं कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। वह पढ़ा-लिखा, पेशेवर और सामाजिक रूप से स्थापित व्यक्ति था। यही पैटर्न हाल के अन्य मामलों में भी दिखा है, जिसमें डॉक्टर और दूसरे सम्मानित पेशों से जुड़े लोग शामिल हैं। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अल-कायदा जानबूझकर इसतरह लोगों को टारगेट कर रहा है जिन पर संदेह कम होता है, जो समाज में आसानी से घुले-मिले रहते हैं और जिनकी बातों को विश्वसनीयता के साथ सुना जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस नए मॉडल की रीढ़ हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच का फायदा उठाकर आतंकी संगठन अपनी विचारधारा फैलाते हैं। इस प्रक्रिया में खुली हिंसा नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे नैरेटिव गढ़ा जाता हैं, शिकायतें उभारी जाती हैं।

खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल-कायदा भारत को फिलहाल तात्कालिक ऑपरेशनल थिएटर की बजाय एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के रूप में देख रहा है। यहां उद्देश्य हमदर्द तैयार करना, सहानुभूति पैदा करना और इसतरह के लोग विकसित करना है जो बाहरी तौर पर ÷नॉर्मल÷ दिखें, लेकिन अंदरूनी तौर पर कट्टर विचारधारा से जुड़े हों। यह रणनीति संगठन को जल्दी पकड़ में आने से बचाती है और समय के साथ गहरी पैठ बनाने में मदद करती है।

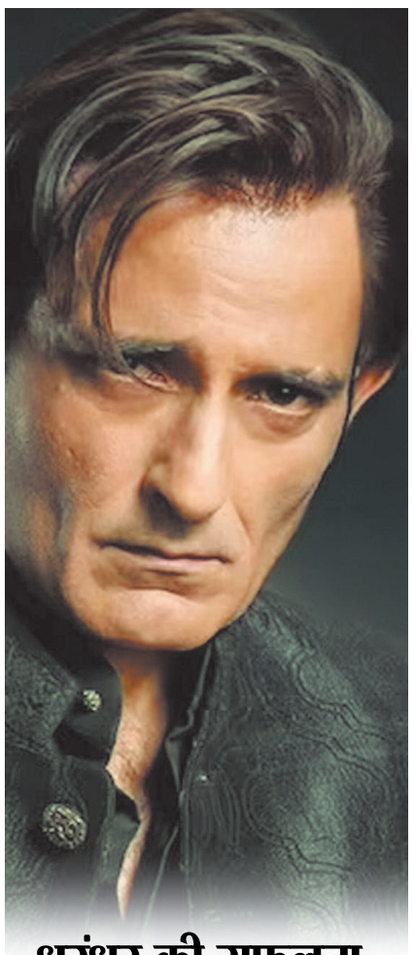

धुरंधर की सफलता के बीच अक्षय खन्ना ने छोड़ी दृश्यम 3

बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों धुरंधर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर न सिर्फ निर्माताओं को मालामाल किया, बल्कि अक्षय खन्ना को भी एक बार फिर इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों की कतार में खड़ा कर दिया। रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स के बीच भी अक्षय का किरदार चर्चा का केंद्र बना हुआ है। फिल्म में उनके एंट्री सीन से लेकर उनके अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस तक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

दरअसल एक्स पर बॉलीवुड मशीन नाम के पेज ने दावा किया है कि अक्षय ने दृश्यम 3 छोड़ दी है जिसकी वजह है उनको मिलने वाला पैसा और अपने किरदार को लेकर मतभेद। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद अक्षय खन्ना ने अपनी फीस में बढ़ोतरी की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लुक को लेकर भी कुछ अहम बदलाव चाहें। माना जा रहा है कि इन्हीं मांगों को लेकर निर्माता पक्ष के साथ बातचीत अटक गई और बात यहां तक पहुंच गई कि एक्टर ने फिल्म से दूरी बना ली।

इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अक्षय खन्ना के फैसले को सही ठहराया। उनका कहना है कि जिस अभिनेता ने हालिया ब्लॉकबस्टर में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई हो, उसकी वैल्यू बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं कुछ फैंस इस खबर से मायूस भी नजर आए, क्योंकि वे 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अक्षय खन्ना को एक बार फिर देखना चाहते थे। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि अक्षय जैसे कलाकार को और ज्यादा मजबूत और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलने चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि सूत्रों के अनुसार, बातचीत अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मेकर्स और अक्षय खन्ना के बीच चर्चा जारी बताई जा रही है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि अभिनेता वाकई 'दृश्यम 3' से बाहर हो चुके हैं या आने वाले दिनों में कोई बीच का रास्ता निकल आएगा।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा

पॉपुलर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया। फोर मोर शॉट्स प्लीज का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है। यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है। प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में

प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती। प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

सलमान खान के साथ काम करने पर बोलीं चित्रांगदा सिंह

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अब अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार और सलमान खान के साथ आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर भी जानकारी शेयर की है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा कि फिल्म में उनके किरदार में दुख है, टेंशन है, सस्पेंस है, और पावर भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जूझ रहा है, और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है। अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहां दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बदलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं। राइटर्स ने एक-एक डायलॉग को बहुत अच्छे से लिखा है, जिसने कहानी को अच्छे से आगे बढ़ाया है। हाउसफुल 5 और रात अकेली है की शूटिंग करते वक्त अपने इमोशंस और किरदार पर पकड़ बनाने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये हो जाता है, क्योंकि सेट पर जो वाइब होती है, वह आपको किरदार में ढलने में मदद करती है और इससे परफॉर्मेंस पर भी फर्क पड़ता है। मुझे बहुत मजा आ रहा था कि एक साथ दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला। सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर अभिनेत्री ने कहा, गलवान फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा करियर और बेहतर होगा। उन्होंने ये भी बताया कि वे गलवान के साथ-साथ एक स्पोर्ट्स बायोपिक को भी प्रोड्यूस कर रही हैं, लेकिन फिल्म के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

फिल्म बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने जमकर बहाया पसीना

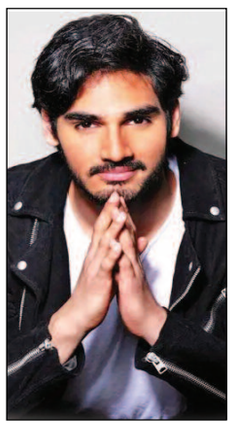

फिल्म बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज हो चुका है और इसके रिलीज के बाद से ही अहान शेट्टी चर्चा के केंद्र में हैं। फिल्म के टीजर से यह साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि एक नए दौर के एक्शन हीरो की दस्तक है। इसमें अहान शेट्टी की मौजूदगी पहली ही झलक में असर डालती है। फिल्म के टीजर में उनकी लंबी कद-काठी, भारी आवाज और स्क्रीन पर ठहराव से वो दर्शकों को प्रभावित करते हुए नजर आ रहे हैं, हालांकि ये सिर्फ लुक्स का नतीजा नहीं है। बॉर्डर 2 के लिए अहान ने महीनों तक सख्त अनुशासन में खुद को ढाला। उन्होंने फंक्शनल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, खेलों के जरिए स्टैमिना बढ़ाया और आधुनिक रिकवरी तकनीकों को अपनाया। फिल्म में सैनिक का किरदार निभाने के लिए अहान ने कड़ी ट्रेनिंग का सहारा लिया है। फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए अहान ने कहा, सेना की वर्दी पहनना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। उनके लिए 'बॉर्डर 2' किसी करियर माइलस्टोन से ज्यादा, उन असली सैनिकों को सलाम है जो देश के लिए यह वर्दी पहनते हैं। अहान की फिल्म के टीजर में दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने न सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचा है, बल्कि यह साफ कर दिया है कि बॉलीवुड की एक्शन थ्रिलर के नए सुपरस्टार अब आ चुके हैं।

धुरंधर में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।

धुरंधर में अर्जुन रामपाल की भूमिका

फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे।

किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल

अर्जुन रामपाल ने कहा मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।

गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिला

बीते दिनों जब सेलिना जेटली भारत लौटीं, तो उन्होंने कहा, मैंने खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाया था। साल 2010 में उनकी शादी हुई थी और उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रिया में रह रही थीं, अब निजी जिंदगी के बुरे अनुभव के बाद वह मुंबई लौटी हैं। उन्होंने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया है। इसके अलावा वह 2024 से ही काफी परेशानियों का सामना कर रही हैं।

आप सोशल मीडिया पर अपने बच्चों विंस्टन, विराज, आर्थर के साथ मजेदार विडियो शेयर करती थीं। हालांकि अब लगता है कि कहानी उतनी अच्छी नहीं है। आपने हाल ही में माना था कि सालों से आपकी शादीशुदा जिंदगी में दरार थी। आप कितने समय से इस नाखुश शादी में जी रही हैं?

सोशल मीडिया पर जो नजर आता है वो असल जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा होता है। दुनिया को पता चलने से पहले ही मैं कई सालों से इस खराब शादी से जूझ रही थी। बाकी महिलाओं की तरह ही मैंने भी अपने बच्चों की वजह से चीजों को सामान्य बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन निजी तौर पर मैं बहुत मुश्किल चीजों का सामना कर रही थी।

क्या आपको इस बात का पछतावा होता है कि आप इतने साल तक इस बुरे रिश्ते में क्यों थीं, और क्या आपको लगता है कि आपको पहले ही भारत वापस आ जाना चाहिए था?

मुझे अपने परिवार को एक साथ रखने की किसी भी कोशिश का कोई पछतावा नहीं है। अपने माता-पिता को खोने के बाद, दूर जाने या खुद के लिए खड़े होना, जैसी चीजों के लिए भी मैं असुरक्षित महसूस करने लगी थी। मैं पहले ही अपने भावनात्मक रूप से सहारा देने वाले अपने करीबी लोगों को खो चुकी थी, और मुझे सब कुछ खोने का डर रहता था, खासतौर पर अपनी फाइनेंशियल आजादी और अपने बच्चे। मुझे अपने बच्चों को अपना एक घर देना था, जिस कल्चर में वह पले-बढ़े थे, उसका सम्मान बरकरार रखना था। इसके साथ ही मुझे ये जिम्मेदारी भी महसूस हुई कि उन्हें अचानक से ऐसे माहौल से दूर ना किया जाए जहां वह घर जैसा फील करते थे, जिनमें उनका स्कूल, रूटीन और उनकी पूरी दुनिया बसी हुई थी। मुझे खुद को सुरक्षित करने के बारे में तभी सोच सकती थी, जब मैं खुद को इन सब चीजों से सिक्योर कर पाती।

आपके भाई मेजर (सेवानिवृत्त) विक्रांत कुमार जेटली, सितंबर से अबू धाबी में हिरासत में हैं। क्या उन्हें वहां से निकालने की इस लड़ाई में आप अकेली रही हैं? इस मामले में क्या कुछ चल रहा है? आपने आखिरी बार उनसे कब बात की थी?

मैं पूरी तरह से अकेली नहीं हूं, लेकिन मैं कानूनी और कूटनीतिक रास्ते को लेकर लगातार हर संभव कोशिश कर रही हूं। मामला काफी सेंसटिव है, और अभी भी चल ही रहा है और इस बारे में जानकारी को लेकर भी मुझे सतर्क रहना होगा। मेरे भाई के साथ मुझे संपर्क करने की पूरी आजादी न होना, मेरे लिए सबसे तकलीफ देने वाले पहलुओं में से एक है।

क्या आप भारत में एक नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए आई हैं?

मेरा भारत आना कोई विकल्प नहीं था, बल्कि मेरे लिए जरूरी था। मैं खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाना चाहती थी। गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिलने के बाद, मुझे ये जानकर गहरा सदमा लगा कि शादी होने के बाद भी मेरी आजादी को छीने जाने की और कोशिशें की जा रहीं थीं। अपने होम ग्राउंड पर वापसी से मुझे मजबूती से खड़े होने, सिर ऊंचा करके लड़ाई लड़ने और अपनी आवाज को वापस पाने का मौका मिला है।

क्या आप एक्टिंग में कमबैक का प्लान बना रही हैं?

मेरा काम सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं है, यह एक्सप्रेशन का एक तरीका है। मेरा काम ही है जो मुझ इमोशनली, फाइनेंशियली, साइकोलॉजिकली और दूसरे कई तरीकों से बचा रहा है। इसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं। यह मेरे काम और मकसद को जिंदा रखता है।

आप पिछले कुछ साल से मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। इन अनुभवों ने कैसे आपके अंदर छुपी ताकत और खुद की कीमत पहचानने जैसी चीजों के लिए समझ को कैसे बदला है?

पिछले कुछ साल ने मुझसे वो सब छीन लिया जो बाहर से दिखता था। मुझे यह देखने के लिए मजबूर किया कि मैं असल में कौन हूं। मैंने सीखा है कि अंदर की ताकत शांत और बनी रहती है, वो दिखावा नहीं करती। आज मेरी अपनी खुद की वैल्यू ये है कि मैं अपने लिए, अपने बच्चों और परिवार की वैल्यूज के लिए तब भी खड़ी रहूं, जब बहुत वहां खड़ा होना मुश्किल और डरावना हो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।